सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

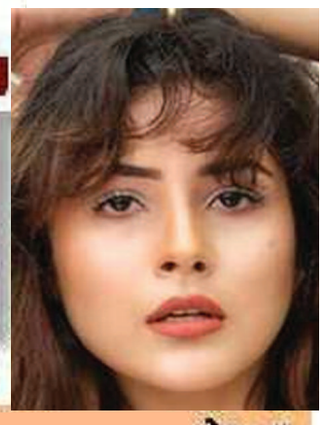

आईसीसी टी20आई रैंकिंग में अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर कायम -पेज: 7

इक कुड़ी कीनिमार्ता बनने पर -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 208 | गुरुवार 06 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

पश्चिम बंगाल के नदिया में पुलिस और बीएसएफ जवानों के बीच झड़प

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के चापड़ा थाना क्षेत्र में हुई, जहाँ पुलिस और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवानों के बीच झड़प हो गई। यह पूरी घटना कफ सिरप की तस्करी की एक बड़ी खेप से जुड़ी हुई थी। लगभग 11 पेटी कफ सिरप एक वाहन में करीमपुर क्षेत्र से चापड़ा की ओर ले जाया जा रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली और उन्होंने शिमनगर में नाकाबंदी की। तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए और कफ सिरप की पेटियां मौके पर छोड़ दीं। जब पुलिस जब्ती की कार्रवाई कर रही थी, तभी बीएसएफ के जवान मौके पर पहुँचे और सिरप की खेप को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की। बीएसएफ जवानों ने दावा किया कि यह क्षेत्र उनके अधिकार क्षेत्र में आता है और तस्करी सीमा से संबंधित है, इसलिए जब्ती का अधिकार उन्हें है। लेकिल पुलिस ने तर्क दिया कि सूचना उनके पास थी और कार्रवाई स्थानीय थाने की जिम्मेदारी है। इसी गलतफहमी और क्षेत्रीय अधिकारों को लेकर मतभेद के चलते दोनों पक्षों में तीखी बहस शुरू हो गई, जो हाथापाई में बदल गई। इस झड़प में एक पुलिस अधिकारी सहित तीन लोग घायल हुए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद एक बीएसएफ जवान को हिरासत में लिया, लेकिन पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। इसके बाद स्थिति को संभालने नदिया जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुँचे और स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि मामले की जांच जारी है।

हरमंदिर साहिब परिसर के बाहर शराब के नशे में पहुंचा शख्स... सेवादारों ने पकड़ा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में श्री गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के मौके एक व्यक्ति नशे की हालत में हरमंदिर साहिब परिसर के बाहर पहुंचा। जब मौके पर मौजूद लोगों और सेवादारों ने व्यक्ति से पूछा कि क्या शराब पी रखी है, तब बेझिझक जवाब दिया- हां, मैंने दारू पी है और मैं पीता हूं। वीडियो बना लो, गुरु मेरा राखा है। मैं किरपाण पहनकर पीता हूं। शख्स ने खुद को गुरसिख बताकर कहा कि वह हरियाणा के करनाल का रहने वाला है और पिछले तीन महीनों से अमृतसर में रह रहा है। लोगों का कहना है कि, व्यक्ति शराब के नशे में धुत होकर अनुचित व्यवहार करने लगा। मौके पर मौजूद सेवादारों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पकड़कर पवित्र परिसर से बाहर निकाल दिया। श्रद्धालुओं ने कहा कि समय पर रोक न लगाई जाती, तब वह अंदर जाकर कोई अनुचित हरकत कर सकता था। घटना से श्रद्धालुओं में रोष है और सभी ने कहा कि हरमंदिर साहिब की पवित्रता से समझौता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। घटना में हरमंदिर साहिब परिसर के बाहर एक व्यक्ति नशे की हालत में पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वह शराब के नशे में धुत होकर श्रद्धालुओं के बीच अनुचित व्यवहार करने लगा। आसपास मौजूद सेवादारों ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत कार्रवाई की और उसे पकड़ लिया, ताकि वह परिसर के अंदर प्रवेश न कर सके।

मदरसे से निकले लाखों के नकली नोट का मास्टरमाइंड निकला डॉ प्रतीक

-पुलिस ने निलंबित डॉक्टर की संपत्ति को किया सीज

खंडवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में मदरसे से निकले 20 लाख के नकली नोट के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने दावा किया है कि बुरहानपुर का निलंबित डॉक्टर प्रतीक नवलखे ही इस नकली नोट कांड का असली मास्टरमाइंड है। प्रतीक नवलखे की संपत्ति सीज कर दी गई है। महाराष्ट्र की मालेगांव पुलिस ने हरीरपुरा निवासी जुबेर अंसारी को 29 सितंबर को 10 लाख रुपए के नकली नोटों के साथ पकड़ा था। मामला सामने आने के बाद खंडवा जिले के पेठिया जहां जुबेर एक मस्जिद में इमाम था, वहां के मुस्लिम लोगों ने पुलिस बुलाकर उसके कमरे की तलाशी करवाई। तलाशी में मदरसे से 19.87 लाख रुपए के नकली नोट बरामद हुए थे। अब इस मामले में बुरहानपुर के निलंबित डॉक्टर प्रतीक नवलखे का नाम सामने आया, जो इस गिरोह का मास्टरमाइंड है। इसके बाद बुरहानपुर पुलिस ने इतवारा गेट स्थित निलंबित डॉक्टर प्रतीक नवलखे संपत्ति को सीज कर दिया है। बुरहानपुर के एएसपी ने बताया कि महाराष्ट्र में डॉक्टर प्रतीक के खिलाफ मामला दर्ज होने की जानकारी मिलते ही बुरहानपुर में उसके मकान को सीज कर दिया है। यह कार्रवाई जांच समिति को जांच में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान के लिए भीड़, देवरिया में 12 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटी

देवरिया(एजेंसी)। उत्तरप्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर स्नान के लिए भीड़ उमड़ी है। देवरिया में सरयू नदी में 12 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। महिलाएं चिल्लाने लगी। श्रद्धालुओं को डूबता देख घाट पर मौजूद गोताखोर और नाविक नदी में कूद गए। जैसे-तैसे महिलाओं और डूब रहे श्रद्धालुओं को रस्सी के सहारे बचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सरयू का बहाव तेज था। नाव भी ओवरलोड थी। तभी बीच धारा में पहुंचते ही नाव डगमगा गई और पलट गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां हादसा हुआ वहां नदी की गहराई 20 फीट से ज्यादा थी। वहीं कार्तिक पूर्णिमा पर काशी और प्रयागराज में 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु गंगा स्नान कर चुके हैं। अयोध्या में सरयू नदी के घाटों पर भी 5 लाख श्रद्धालुओं की भीड़ रही। यहां हनुमान गढ़ी में दर्शन के लिए भक्तों की एक किमी लंबी लाइन लगी है। अमरोहा, हापुड़ और बरेली के घाटों पर भी स्नानार्थियों का सैलाब उमड़ा। अमरोहा-हापुड़ में 40-40 लाख लोगों के पहुंचने का अनुमान है। बदायूं में भक्त बैलगाड़ी से गंगा स्नान करने पहुंचे। उधर, काशी की देव दिवाली को देखने के लिए 40 से ज्यादा देशों के लोग पहुंचे हैं।

गोपालगंज में जेडीयू-कांग्रेस समर्थकों में झड़प, चाकूबाजी में एक घायल

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव के बीच गोपालगंज जिले के गोपालपुर इलाके में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और कांग्रेस पार्टी के समर्थकों के बीच झड़प हुई है। यह झड़प जदयू उम्मीदवार अमरेंद्र कुमार उर्फ पप्पू पांडेय और कांग्रेस उम्मीदवार हरिनारायण कुशवाहा के समर्थकों के बीच हुई। हिंसक झड़प में एक युवक, जो कांग्रेस समर्थक बताया जा रहा है, गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिहार में चुनाव... तमिलनाडु, पंजाब से लेकर तमाम कारखानों में काम पड़ गया सुस्त

इस बार मतदान करने बड़ी तादाद में बिहार लौटे मजदूर

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनावों की गूंज सैकड़ों किलोमीटर दूर दूसरे राज्यों में भी साफ सुनाई दे रही है। बिहार में 6 और 11 नवंबर को चुनाव होने हैं, जिसमें 7.40 करोड़ से अधिक पात्र मतदाता हैं। चुनाव बिहार में हो रहे हैं लेकिन तमिलनाडु के कपड़ा कारखानों से लेकर पंजाब के तमाम कारखानों तक कई राज्यों में कारोबार सुस्त पड़ गए हैं। इसका सीधा कारण बिहारी कामगार मजदूर हैं, इनके बल पर कई राज्यों में उद्योग और दूसरे धंधे चलते हैं। इन राज्यों में काम करने वाले 30 से 60 प्रतिशत बिहारी कामगार 25 अक्टूबर से शुरू हुए छठ पर्व के लिए अपने राज्य लौटे थे और 11 नवंबर को विधानसभा चुनाव में मतदान करने के बाद ही लौटने वाले है। उद्योग जगत के कई सूत्रों ने बताया कि लोकसभा चुनावों या स्थानीय निकाय चुनावों में ऐसा नहीं होता था। लेकिन विधानसभा चुनावों के लिए बिहारी कामगारों के जत्थे के जत्थे लौट गए हैं, जिससे सभी प्रमुख औद्योगिक राज्यों में निर्माण, उत्पादन एवं परिवहन क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। उदाहरण के लिए तिरुपुर में बिहार के 2.5 लाख लोग काम करते हैं। तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टेमा) के अध्यक्ष एम मुत्तुरत्नम ने कहा, 'हमारे काम पर असर पड़ा है, क्योंकि 2.5 लाख लोगों में 50-60 प्रतिशत इस बार बिहार वापस चले गए हैं। कई लोगों को उनके रिश्तेदार और दूसरे लोगों ने टिकट भेजकर बुलाया है।' ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी श्रमिकों सहित असंगठित श्रमिकों के जो आंकड़े उपलब्ध हैं, उनके मुताबिक काम की तलाश में दूसरे राज्यों का सबसे अधिक रुख उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के लोग ही करते हैं। इसमें बिहारी मजदूर करीब 3 करोड़ हो चुके हैं। तिरुपुर अकेला नहीं है, जहां औद्योगिक गतिविधियां रुक गई हैं।

दक्षिण भारत की एक बड़ी सीमेंट कंपनी के आला अधिकारी ने बताया कि बिहार में चुनाव के कारण आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में निर्माण और दूसरी बुनियादी गतिविधियां ठड़ी पड़ी हुई हैं। सीमेंट की मांग में भारी गिरावट दिख रही है। उद्योग जगत के दूसरे लोगों के मुताबिक इसकी वजह बिहार चुनाव के इस बार के मुद्दे हैं, जिसमें बेरोजगारी, गरीबी और पलायन की सबसे ज्यादा बात हो रही है। प्रवासियों के बीच काम करने वाले एनजीओ के मुताबिक इससे पहले कभी बिहारी कामगार चुनाव के दौरान इतनी बड़ी तादाद में नहीं गए थे। उनके जाने से निर्माण गतिविधियों और केरल में फुटवियर जैसे प्रमुख उद्योगों पर भी असर पड़ा है।'

तमिलनाडू में शिव मंदिर में जीर्णोद्धार के दौरान मिले 100 से ज्यादा पुराने सोने के सिक्के

तिरुवन्नामलाई (एजेंसी)। तमिलनाडु के एक मंदिर में कुछ ऐसा हुआ, इसके बाद पूरे इलाके में हलचल मच गई। दरअसल, तिरुवन्नामलाई में जाव्वदु पहाड़ियों के पास स्थित शिव मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य के दौरान 100 से ज्यादा पुराने सोने के सिक्के मिले हैं। पुलिस ने बताया कि मंदिर में निर्माण कार्य के दौरान जमीन के अंदर से अचानक खटखट की आवाज आई और जब मिट्टी हटाकर देखा गया, तब सोने के सिक्के थे। बात दें कि तिरुवन्नामलाई जिले में जाव्वदु पहाड़ियों के निकट बसे एक प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य के दौरान पुरातात्विक खजाने का अनमोल नगीना मिला है। मिट्टी के एक घड़े से बरामद 103 सोने के प्राचीन सिक्के न केवल स्थानीय इतिहासकारों को उत्साहित कर रहे हैं, बल्कि चोल साम्राज्य की समृद्ध विरासत को फिर से जीवंत कर रहे हैं। पुलिस ने इस खोज की पुष्टि की, जो तमिलनाडु के धार्मिक और सांस्कृतिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ रही है। दरअसल, कोविलूर में शिवन मंदिर में मुख्य देवता के गर्भगृह के जीर्णोद्धार कार्य के दौरान तीन नवंबर को मिट्टी के एक घड़े से सोने के 103 प्राचीन सिक्के बरामद हुए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'सोमवार को निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी के घड़े से लगभग 103 सोने के सिक्के मिले। उन्होंने कहा कि यह मंदिर कई सदियों पुराना है और माना जाता है कि चोल सम्राट राजराजा चोलन तृतीय के समय में बनाया गया था। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग और हिंदू धार्मिक तथा धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया और उन्होंने सिक्कों को अपने अभिरक्षण में ले लिया।

क्यों नहीं मिल रहा जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा... गवर्नर खान ने बताया

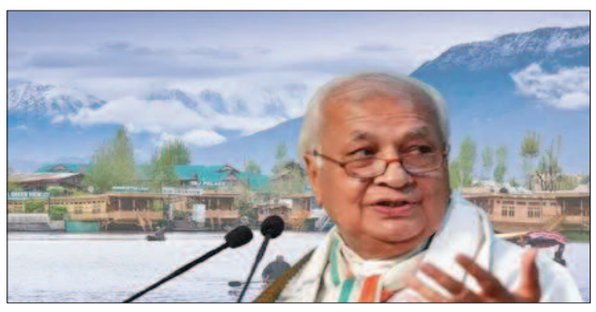

जम्मू (एजेंसी)। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान इन दिनों जम्मू और कश्मीर में हैं। यहां उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के राज्य का दर्जा बहाली को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि सब चाहते हैं कि जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले, लेकिन इसके लिए हालात सामान्य होना जरूरी है।

बिहार के गवर्नर खान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी इच्छा है कि जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा दिया जाए। लेकिन, इसके लिए जरूरी है कि इस केंद्र शासित प्रदेश में हालात बिल्कुल सामान्य हो जाएं। उन्होंने श्रीनगर में कहा, हम सब फिक्रमंद हैं...हम सब चाहते हैं कि नॉर्मल हालात हों...सबकी ख्वाहिश ये है...पूरे हिंदुस्तान की ख्वाहिश ये है...प्रधानमंत्री की है कि कश्मीर राज्य की हैसियत से खुद अपना सबकुछ तय करे...लेकिन, ये हालात नॉर्मल करना होगा। ये आप और हमारा काम है कि हम वहां हालात पैदा कर सकें कि जिस तरह से नॉर्मल कानून सब जगह चल रहा है, उस तरह से कश्मीर में भी चले।

बता दें कि केंद्र का संसद से लेकर सार्वजनिक स्तर पर और अदालत तक में इस मुद्दे पर यही रुख रहा है कि समय आने पर जम्मू और कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। खुद प्रधानमंत्री मोदी श्रीनगर में सार्वजनिक तौर पर यह भरोसा दे चुके हैं। लेकिन, इसके लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है। जबकि, प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कांफ्रेंस से लेकर अन्य राजनीतिक दल इस लेकर लगातार आवाज उठाते रहे हैं। शाह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। 18 अक्टूबर, 2025 को पटना में एक प्रेस कांफ्रेंस में जब गृहमंत्री से जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के उस बयान की ओर इशारा किया गया कि उनकी सरकार बनने के एक साल बाद भी राज्य का दर्जा नहीं मिलने से जम्मू और कश्मीर और दिल्ली के बीच एक खाईबनी हुई है।

रक्षा क्षेत्र में मिल-जुलकर की गई खोज सबसे मजबूत सुरक्षा कवच : सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आज दुनिया में कई तरह के खतरे हैं और ये तेजी से बदल रहे हैं। इसके बाद कोई भी देश अपने दम पर सुरक्षित नहीं रह सकता। अब सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में मिलजुलकर की गई खोज (इनोवेशन) ही सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है। जनरल द्विवेदी ने यह बात एक कार्यक्रम में कही। इस कार्यक्रम में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, रक्षा विशेषज्ञ और उद्योग जगत के लोग शामिल हुए। इस दौरान सेना प्रमुख ने कहा कि सेना अब ड्रोन युद्ध, क्वांटम टेक्नोलॉजी, 6जी और स्पेस मिशन जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही है। हम इसतरह की तकनीकों पर काम कर रहे हैं जो नागरिक और सैन्य दोनों जगह उपयोगी हों।

जनरल द्विवेदी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना को आर्थिक मजबूती मिली है, अब सेना को काम करने में ज्यादा आजादी और लचीलापन मिल रहा है। इसका कारण नए हथियार और तकनीक को शामिल करने की प्रक्रिया तेज हो गई है।

सेना प्रमुख ने कहा कि भविष्य में होने वाली लड़ाई में मशीनें और टेक्नोलॉजी का बड़ा रोल होगा। सेना अब पूरी तरह ऑटोमेशन और मैन-अनमैन्डटीम्स की तरफ देख रही है। इससे सैनिकों की उतनी ही संख्या से हमें ज्यादा काम मिल सके। यह तभी हो पाएगा, जब उद्योग हमारे साथ मिलकर नई तकनीक दें। आने वाले समय में युद्ध किसी एक तरीके या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। भविष्य की जंग इस बात पर निर्भर करेगी कि हम अपने विचारों को कितनी जल्दी असली ताकत और क्षमता में बदल पाते हैं। विचार से क्षमता तक पहुंचने का मतलब है कि निर्भरता से आत्मनिर्भरता और फिर आत्मनिर्भरता से शक्ति हासिल करना। भारत ने कई आधुनिक हथियार बनाए हैं, जैसे आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, एटीएजीएस तोप और जोरावर लाइट टैंक। ये उदाहरण बताते हैं कि भारत अब रक्षा के क्षेत्र में अपने दम पर मजबूत हो रहा है। अब बेशक लड़ने का तरीका बदल गया है और अब झगड़े सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहते। लेकिन चाहे युद्ध जैसा भी हो, अंत में जमीन ही जीत का असली पैमाना होती है, यही असली सफलता तय करती है।

इस देश में 'गजवा-ए-हिंद' नहीं, 'भगवा-ए-हिंद' होगा, धीरेंद्र शास्त्री का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आध्यात्मिक गुरु और बागेश्वर धाम सरकार के प्रमुख आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने कवि कुमार विश्वास के साथ बुधवार को उत्तरकाशी के बड़कोट में यमुना नदी के किनारे पूजा-अर्चना की। इस दौरान, उन्होंने नदी की शुद्धता पर चिंता जताते हुए एक बड़ी 'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' की घोषणा की।

मां यमुना की शुद्धता पर जताई चिंता : यमुना तट पर पूजा के बाद, आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने नदी की शुद्धता देखकर हैरानी जताई और ब्रज क्षेत्र तथा दिल्ली (इंद्रप्रस्थ) में इसके प्रदूषित रूप पर दुख व्यक्त किया। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'यहां, मां यमुना का पानी सोने जैसा एकदम शुद्ध है। मां यमुना का यह रूप देखकर, मुझे हैरानी हुई कि ऐसी पवित्रता ब्रज क्षेत्र और दिल्ली में क्यों नहीं मिलती। यह देखकर मेरा दिल बैठ गया।' उन्होंने यमुना को उसके मूल शुद्ध रूप में वापस लाने के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' का ऐलान : आध्यात्मिक गुरु आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदू एकता के उद्देश्य से एक बड़ी पदयात्रा की घोषणा की है। यह यात्रा 7 नवंबर से शुरू होकर 16 नवंबर तक चलेगी, जिसका मार्ग दिल्ली से वृंदावन होगा। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य हिंदुओं को एक साथ लाना और सनातनियों को एकजुट करना है। इस दौरान, शास्त्री ने दृढ़ता से कहा कि इस देश में कोई 'तनातनी' नहीं होगा, सिर्फ 'सनातनी' होंगे। उन्होंने अपने संबोधन में राजनीतिक और धार्मिक रूप से तीखे बयान भी दिए, जिसमें उन्होंने कहा, 'इस देश में कोई 'गजवा-ए-हिंद' नहीं होगा, सिर्फ 'भगवा-ए-हिंद' होगा। राम का साथ देने वालों की जयकार होगी, राम का विरोध करने वालों की नहीं।'

जब सेना में राजपूत, डोगरा या जाट रेजिमेंट तो दलित रेजिमेंट क्यों नहीं?

-कांग्रेस नेता उदित ने सेना में जाति आधारित रेजिमेंट होने की वकालत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने सेना में जाति आधारित रेजिमेंट होने की वकालत की है। उनका कहना है कि जब राजपूत रेजिमेंट है, तो अन्य रेजिमेंट्स भी होना संभव हैं। इसके अलावा उन्होंने सवाल उठाया है कि देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों, न्यायपालिका में एक भी दलित प्रमुख नहीं है। मंगलवार को ही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि भारतीय सेना देश की 10 फीसदी आबादी के नियंत्रण में है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेना में जाति की बात करने के सवाल पर राज ने कहा, क्या सेना में राजपूत, डोगरा या जाट रेजिमेंट नहीं है? चमार रेजिमेंट थी, लेकिन अंग्रेजों ने खत्म कर दी, क्योंकि ईमानदारी से लड़े थे। इसे बहाल क्यों नहीं किया गया। क्या बात है, वहां लड़ने की ही बात है और क्या है। उन्होंने कहा कि वहां एक तरह से ग्रुप बना रखा है। किस आधार पर प्रमोशन होता है, किस आधार पर? पहले तमाम रेजिमेंट थीं, महार रेजिमेंट था। खत्म कैसे हुआ। जब आपका राजपूत रेजिमेंट हो सकता है, तो दलित क्यों नहीं हो सकता।

इससे पहले कांग्रेस नेता ने कहा कि 48 केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं। एक भी दलित कुलपति नहीं है। यही स्थिति न्यायपालिका में और कॉर्पोरेट जगत में है...। एक फीसदी आबादी के पास दुनिया की आधी से ज्यादा संपत्ति है। भारत में असमानता तेजी से बढ़ रही है...।

वहीं बिहार के कुटुम्बा में रैली में राहुल गांधी ने कहा था कि अगर आप करीब से देखेंगे, तो देश की 90 फीसदी आबादी दलित, महा दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा या अल्पसंख्यक समुदाय से है। 90 फीसदी लोग समाज के अति पिछड़ा और आदिवासी वर्ग से आते हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप भारत की 500 बड़ी कंपनियों की लिस्ट निकालेंगे, तो आपको कोई भी पिछड़ा या दलित समुदाय से वहां नहीं मिलेगा। वह सभी शीर्ष 10 फीसदी से आते हैं। सभी नौकरियां उन्हें मिलती हैं। सशस्त्र बलों पर उनका नियंत्रण है। आपको कहीं भी 90 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा।

खजुराहो पहुंचे राकेश किशोर ने एएसआई पर लगाया, हिंदुओं के साथ दोगला व्यवहार करने का आरोप

छतरपुर (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले दिल्ली के वकील डॉ. राकेश किशोर कुमार दो दिन से खजुराहो में हैं। उन्होंने बुधवार सुबह करीब 10 बजे खजुराहो के जवारी मंदिर में प्रार्थना की। उन्होंने आर्कियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएआई) पर हिंदुओं के साथ दोगला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उनके साथ राम राज मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज ऋषि राजेंद्र सिंह नरूका, श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस मथुरा के मुख्य पक्षकार कौशल किशोर ठाकुर और अन्य धार्मिक नेता भी मौजूद थे।

एएसआई अधिकारी दीक्षांत चावरे ने पूजा के बाद सभी लोगों को मंदिर खाली करने के लिए कहा। बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि खजुराहो के सभी स्मारक आम पर्यटकों के लिए खुले हैं, लेकिन किसी भी प्रकार की पूजा, अर्चना, ध्यान या योग करना मना है। उन्होंने कहा कि राकेश किशोर या उनके सहयोगियों ने इसके लिए कोई परमिशन नहीं ली थी और नियमों के उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खंडित प्रतिमा पर बयानः राकेश किशोर ने जवारी मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु की 7 फीट ऊंची खंडित प्रतिमा के सामने प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि वह मूर्ति की पुनर्स्थापना और अपनी मांगें पूरी होने के बाद ही माल्यार्पण करुंगा। उनका कहना था कि मूर्ति खंडित नहीं होती, मानसिकता खंडित होती है। उन्होंने मांग की कि मूर्ति के शीश को जोड़कर और बगल में एक छोटी मूर्ति स्थापित करके पूजा योग्य बनाया जाए। उन्होंने भोजपुर मंदिर के शिवलिंग और संभल की मस्जिद का उदाहरण देकर एएसआई पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं राकेश किशोर ने 1958 में कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए एक्ट को बदलने की आवश्यकता बताकर कहा कि मूर्तियों की पुनर्स्थापना और पूजा पाठ पहले किया जाना चाहिए, उसके बाद कानून लागू होना चाहिए।

प्रकाश पर्व के बहाने सिखों और हिंदुओं में फूट डालने की कोशिश

-पाकिस्तान ने सिखों का किया स्वागत पर हिंदू श्रद्धालुओं को नही दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वो किसी न किसी बहाने भारत में फूट डालने के प्रयास करता रहा है। श्री गुरु नानक देवजी के प्रकाश पर पाकिस्तान ने कुछ इसी तरह की हरकत की है। दरअसल,पर्व में शामिल होने के लिए भारत से पहला सिख जत्था पाकिस्तान पहुंच गया। इस दौरान पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों ने सिखों का तो फूलों से स्वागत किया, लेकिन हिंदू श्रद्धालुओं को सीमा पार करने की इजाजत नहीं दी। यह कदम भारत के लिए न केवल अभूतपूर्व माना जा रहा है, बल्कि इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हिन्दुओं और सिखों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, हिंदू श्रद्धालुओं ने वाघा बॉर्डर पर सभी इमिग्रेशन और यात्रा औपचारिकताएं पूरी कर ली थीं। वे ननकाना साहिब जाने वाली विशेष बस में सवार होने ही वाले थे कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने अचानक उन्हें रोक दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली के श्रद्धालु अमरचंद ने बताया कि वह अपने सात परिजनों के साथ यात्रा पर थे। उन्होंने कहा, 'हमने अटारी बॉर्डर पार किया, वाघा पहुंचे, सारी इमिग्रेशन प्रक्रिया पूरी की और टिकट भी ले ली। लेकिन बस में चढ़ने से ठीक पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा, 'आप हिंदू हैं, आप सिख जत्थे के साथ नहीं जा सकते।' इसी तरह लखनऊ से आए सात श्रद्धालुओं का समूह भी लौटने को मजबूर हुआ। भारतीय अधिकारियों ने इस घटनाक्रम को 'चौंकाने वाला और निंदनीय' बताया है। उनका कहना है कि यह पहला मौका है जब धार्मिक यात्रियों को उनके धर्म के आधार पर अलग किया गया और रोक दिया गया।

उधर भारतीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की यह कार्रवाई भविष्य में भी दोहराई जा सकती है। एजेंसियों का कहना है कि यह रवैया गुरुद्वारा दरबार साहिब, करतारपुर साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं के साथ भी अपनाया जा सकता है। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से करतारपुर कॉरिडोर भी बंद है।

इस बार पाकिस्तान के उच्चायोग ने 2,100 से अधिक श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया था, लेकिन केवल 1,796 सिख श्रद्धालु ही सीमा पार कर सके। करीब 300 श्रद्धालुओं को प्रोटोकॉल नियमों का पालन न करने पर रोक दिया गया, जिसके बाद उन्होंने सीमा पर विरोध प्रदर्शन भी किया, लेकिन बाद में उन्हें लौटना पड़ा। वहीं पाकिस्तान पहुंचे सिख श्रद्धालुओं का लाहौर में पंजाब प्रांत के मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा और पाकिस्तान इवैक्यू ट्रस्ट बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान का यह रवैया न केवल धार्मिक यात्राओं की भावना के विपरीत है, बल्कि इससे भारत-पाक धार्मिक कूटनीति पर भी असर पड़ सकता है। भारतीय विदेश मंत्रालय से उम्मीद की जा रही है कि वह इस घटना को लेकर इस्लामाबाद से औपचारिक विरोध दर्ज कराएगा।

संपादकीय

बिहार में वायदों की भरमार किसकी बनेगी सरकार

बिहार विधानसभा चुनाव अपने अंतिम दौर में है। इस चुनाव में मुख्य रूप से एनडीए एवं महागठबंधन के बीच चुनावी मुकाबला है। इन दोनों के बीच एक नये राजनीतिक दल जन सुराज का भी प्रवेश हो चुका है। जिससे बिहार विधान सभा चुनाव त्रिकोणीय संघर्ष के बीच उलझ गया है। इस परिवेश में दोनों प्रमुख राजनीतिक दल घोषणा पत्र के माध्यम से सर्वाधिक जनमत को अपने पक्ष में कर सरकार बनाने का प्रयास कर रहे है। दोनों मुख्य रूप से ये दल अपने-अपने तरीके से बिहार की जनता को लुभाने का प्रयास कर रहे है। देखना यह है कि बिहार की जनता घोषणा पत्र में जारी वायदों से प्रभावित होकर मतदान करती है या स्वविवेक से मतदान कर सरकार का नया स्वरूप तय करती है।

घोषणापत्र में किये गये दोनों प्रमुख राजनीतिक दल के स्वरूप पर एक नजर डालें। जहां महा गठबंधन ने रोजगार में हर घर से सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। वहीं एनडीए ने एक करोड़ रोजगार देने की घोषणा की है। जहां एनडीए ने लखपति दीदी योजना में एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने का लक्ष्य रखा है। वही महागठबंधन ने। जीविका दीदियों को 30000 रुपए, माई बहन योजना में हर महिलाओं को 2500 रुपए प्रति माह देने की घोषणा की है। एनडीए ने किसान सम्मन निधि की राशि 6000 बढ़कर 9000 की है। सभी फसलों पर एमएस बिजली के क्षेत्र में। इंडिया ने 125 यूनिट फ्री हर परिवार को देने तो महा गठबंधन ने 200 यूनिट फ्री करने की घोषणा की है। एनडीए ने उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोड़ दिया है तो महा गठबंधन ने रोजगार शिक्षा सामाजिक न्याय कीबातकी है। महा गठबंधन ने पुरानी पेंशन लागू करने की भी बात की है। वहीं गैस सिलेंडर भी 500रुपए में देने का वायदा किया है। महागठबंधन ने शराबबंदी कानून की समीक्षा करने की भी बात की है। महिलाओं को दो बरस तक ब्याज मुक्त ऋण देने की भी बात की है। कॉलेज में महिलाओं को आरक्षण देने की भी बात की है। वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने की भी बात की है। महागठबंधन ने बिहार में बोली जाने वाली भोजपुरी, मगही, अंगिका, बज्जिका को अधिकारिक भाषा का स्वरूप दिलाने की बात कर इनसे जुड़े लोगों को अपने पक्ष में लाने का प्रयास किया है। इन घोषणाओं के बीच बिहार विधान सभा चुनाव प्रचार अपने अंतिम दौर में है। बिहार की जनता चुनाव उपरांत जो सरकार का स्वरूप तय करती है, , आने वाली सरकार घोषणापत्र में घोषित बातों को कितना अमल कर पाती, आने वाला समय हीं बता पायेगा।

तेल का खेलः सरकार और कॉरपोरेट बने मुनाफाखोर

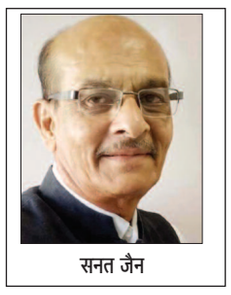
सनत जैन

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर जारी बहस एक बार फिर तेज हो गई है। जब विश्व बाजार में कच्चे तेल की कीमत कई महीनों से अपेक्षाकृत स्थिर और सबसे कम है। तब उपभोक्ता सवाल पूछ रहे हैं, आखिर भारत में पेट्रोल 100 रुपए से ऊपर क्यों बिक रहा है। पड़ोसी देश भूटान में भारत से रिफाइंड पेट्रोल और डीजल जा रहा है। वहां पर यही ईंधन लगभग 75 रुपए प्रति लीटर में उपलब्ध है? भारत से वहां पर जाकर डीजल और पेट्रोल अपनी गाड़ियों में भरवाते हैं। यह अंतर भारत सरकार की मुनाफाखोर नीति का नतीजा है। भारत में पेट्रोल-डीजल पर सबसे अधिक टैक्स लगाए जाते हैं। रिफाइनरी से निकले ईंधन का बेस प्राइस 30 रुपये के आस-पास होता है। जब यह उपभोक्ता तक पहुँचता है, तो उसके मूल्य में एक्साइज ड्यूटी, वैट, सेस, मार्केटिंग, डीलर मार्जिन और कई तरह के टैक्स शामिल होकर इसकी कीमत तीन गुना से अधिक हो जाती है। यही नहीं, सरकारी तेल कंपनियाँ भी भारी मुनाफा कमा रही हैं। जिसके कारण निजी पेट्रोलियम कंपनी भी भारी मुनाफा कमाती है। सरकार पेट्रोलियम कंपनियों पर कोई नियंत्रण लागू नहीं करती है। कंपनियों के मुनाफे पर सरकार टैक्स व डिविडेंड के रूप में अप्रत्यक्ष रूप से हजारों करोड़ों रुपए की अतिरिक्त कमाई करती है। सवाल यह नहीं है, सरकार को टैक्स नहीं लेना चाहिए, बल्कि सवाल यह है, सरकार को टैक्स का बोझ किस हद तक जनता पर डालना वाजिब है? जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटती हैं, तो उसका लाभ उपभोक्ताओं तक क्यों नहीं दिया जाता है? जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है उस समय उपभोक्ताओं के लिए कीमतों को बढ़ा दिया जाता है। बढ़ी हुई कीमत कम नहीं की जाती है। कोरोना महामारी के दौरान और उसके बाद भी भारत ने ईंधन कीमतों में अंतरराष्ट्रीय बाजार भाव के अनुसार वह लचीलापन नहीं दिखाया जो भारत सरकार की नीति में शामिल था। भारत सरकार ने जब सब्सिडी पेट्रोल और डीजल से खत्म की थी, उस समय नीति में कहा गया था अंतरराष्ट्रीय बाजार भाव के हिसाब से पेट्रोलियम कंपनियां अपने उत्पाद के रेट घटाएंगी और बढ़ाएंगी। भूटान का उदाहरण भारतीय उपभोक्ताओं की पीड़ा को उजागर करता है। भारत से रिफाइन होकर गया पेट्रोल-डीजल वहां पर टैक्स और परिवहन के बाद भी कम कीमत पर बिकता है। भारत सरकार की टैक्स नीति अलग है, भूटान सरकार की टैक्स नीति अलग है। भूटान की सरकार अपने नागरिकों से उतना ही टैक्स वसूल करती है जो वह आसानी से वहन कर सकें। वहीं भारत सरकार पेट्रोल और डीजल उत्पादन पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भारी टैक्स लगाकर अपने खजाने को भरने तथा पेट्रोलियम कंपनियां और राजनेताओं को भारी कमाई कराने की नीति मानी जा रही है। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्री कहते हैं, पेट्रोलियम की कमाई से देश में विकास हो रहा है। विकास के नाम पर कितना भ्रष्टाचार हो रहा है, यह किसी से छिपा नहीं है।

यह सवाल फिर भी उठता है, यदि भारत में उत्पादन, रिफाइनिंग और सप्लाई का आधार मजबूत है, इसके बाद भी भारतीय उपभोक्ताओं को राहत क्यों नहीं मिल रही है। तेल का यह खेल सरकार और कॉरपोरेट दोनों विशाल कमाई करते हैं। पेट्रोलियम कंपनियों का खरीद से लेकर बिक्री के बीच में भारी कमीशन है। विदेश में कच्चे तेल की खरीदी में बड़ी कमाई की जाती है। परिवहन और रिफाइन में भी बड़े-बड़े खेल होते हैं। लाखों करोड़ रुपए की कमाई विकास के नाम पर की जा रही है। विकास कार्यों में किस तरह का भ्रष्टाचार है, यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। आम नागरिक महंगाई के बोझ तले दबता चला जा रहा है। आम नागरिक अपनी मौलिक और बुनियादी आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं कर पा रहा है। पेट्रोलियम पर लगाए गए टैक्स का असर हर चीज पर पड रहा है। इसके बाद भी सरकार डीजल और पेट्रोल की कीमतें नहीं घटा रही है। सरकार और पेट्रोलियम कंपनियों का खजाना भरता चला जा रहा है। जरूरी है, सरकार की ईंधन मूल्य निर्धारण पारदर्शी हो। टैक्स संरचना न्यायपूर्ण बने, बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप लाभ आम जनता तक पहुंचे।

पेट्रोल केवल ईंधन नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। जब आम आदमी अपना जीवन ही नहीं जी पा रहा है, अपनी जरूरी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पा रहा है, ऐसी स्थिति में सरकार की यह मुनाफाखोरी चिंता में डालने वाली है। जिस तरह से आम आदमी महंगाई और बेरोजगारी का शिकार हो रहा है, यदि ऐसे समय में भी सरकार और पेट्रोलियम कंपनियां इस तरह की मुनाफाखोरी करती है तो इसका संदेश अच्छा नहीं जा रहा है। सरकार और नागरिकों के लिए यह स्थिति ठीक नहीं है। समय रहते सरकार को अपनी नीति बदलनी होगी। अन्यथा कभी भी विस्फोटक स्थिति बन सकती है।

विश्व विजय बनी महिला क्रिकट टीम, लेकिन पुरुषों जैसी समानता अभी बाकी

बी. डेविड

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वर्ल्ड कप जीतकर पूरे देश को गर्व से भर दिया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल खेल के मैदान में, बल्कि सामाजिक बदलाव की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई है। इस जीत ने भारतीय महिला खिलाड़ियों को नई पहचान दी है, जिससे अब उनसे उम्मीदें और जिम्मेदारियां दोनों बढ़ गई हैं। पिछले दो दशकों में महिला क्रिकेट ने लंबा सफर तय किया है, लेकिन अब भी पुरुष क्रिकेटरों की तुलना में कई क्षेत्रों में असमानता बनी हुई है। अतीत में महिला क्रिकेटरों की स्थिति बेहद कठिन थी। 1980 के दशक तक खिलाड़ियों को मैच फीस नहीं मिलती थी। वे रेलवे में कन्सेशन टिकट पर यात्रा करती थीं, साधारण हाल में ठहराई जाती थीं और मिलने वाले किट्स की गुणवत्ता भी बहुत कम होती थी। उस समय महिला क्रिकेट को 'वूमन क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया' चलाती थी, लेकिन 2006 में इसका विलय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में हुआ। इसके बाद महिला क्रिकेट में सुधार की शुरूआत हुई और आज यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान

बना चुकी है। बीसीसीआई ने अक्टूबर 2022 में ऐतिहासिक निर्णय लिया कि अब महिला और पुरुष खिलाड़ियों को समान मैच फीस दी जाएगी। यानी टेस्ट मैच के लिए 15 लाख, वनडे के लिए 6 लाख और टी-20 के लिए 3 लाख का भुगतान दोनों को समान रूप से मिलता है। हालांकि, सालाना कॉन्ट्रैक्ट राशि में अभी भी बड़ा अंतर है। पुरुष क्रिकेटरों को ए प्लस, ए, बी और सी ग्रेड में क्रमशः 7 करोड़, 5 करोड़, 3 करोड़ और 1 करोड़ सालाना मिलते हैं, जबकि महिला खिलाड़ियों के तीन ग्रेड ए, बी और सी में क्रमशः 50 लाख, 30 लाख और 10 लाख की राशि तय है। घरेलू क्रिकेट में भी समान स्ट्रक्चर लागू किया गया है, पर राज्य संघों में अब भी थोड़े अंतर देखे जाते हैं। आईपीएल में जहां पुरुष खिलाड़ियों की सैलरी करोड़ों में होती है, वहीं महिला क्रिकेटरों की वीमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में आय 10 लाख से 3.4 करोड़ तक सीमित है। यह अंतर अभी भी खेल के आर्थिक पहलू में असमानता को दशार्ता है। सुविधाओं के मामले में भी पुरुष खिलाड़ियों को बढ़त हासिल है। उन्हें बेहतर नेट्स, अत्याधुनिक ट्रेनिंग, रिहैब सेंटर और विशेषज्ञ फिजियो की सेवाएं नियमित रूप से मिलती हैं। महिला खिलाड़ियों के लिए सपोर्ट स्टाफ की संख्या अभी भी सीमित है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में सुधार जरूर हुआ है अब महिला टीम को बिजनेस क्लास में यात्रा और फाइव स्टार होटलों में ठहरने की सुविधा मिलने लगी है, जो पहले केवल पुरुष टीम तक सीमित थी। चिकित्सा और रिकवरी सुविधाओं में भी पुरुष क्रिकेटर आगे हैं। बड़े टूर्नामेंटों में महिला खिलाड़ियों को समान सुविधा मिल जाती है, लेकिन नियमित रूप से यह स्तर हासिल नहीं हुआ है। वहीं, मानसिक स्वास्थ्य समर्थन में भी असमानता दिखती है। पुरुष खिलाड़ियों के पास मेंटल कोच और काउंसलर स्थायी रूप से उपलब्ध हैं, जबकि महिला टीम के लिए यह सुविधा अभी शुरूआती स्तर पर है। ब्रांड वैल्यू और स्पॉन्सरशिप के मामले में भी पुरुष खिलाड़ियों का दबदबा कायम है। बीसीसीआई के मीडिया राइट्स और व्यक्तिगत एंडोर्समेंट डील्स में पुरुष खिलाड़ियों की हिस्सेदारी कहीं अधिक है। महिला खिलाड़ियों के पास अब तक सीमित अवसर रहे हैं, हालांकि डब्ल्यूपीएल की शुरूआत और वर्ल्ड कप जीत के बाद यह परिदृश्य धीरे-धीरे बदल सकता है। फंडिंग के स्तर पर असमानता अब भी बनी हुई है। 2023-24 में बीसीसीआई का कुल बजट लगभग 12,000 करोड़ था, जिसमें महिला क्रिकेट के विकास पर खर्च 1 प्रतिशत से भी कम रहा। यह अंतर स्पष्ट करता है कि महिला क्रिकेट को और अधिक संस्थागत सहयोग की आवश्यकता है। भारतीय महिला टीम की यह जीत सिर्फ एक टूर्नामेंट की सफलता नहीं, बल्कि बदलाव की एक मजबूत दस्तक है। इसने दिखा दिया है कि अगर समान अवसर और संसाधन मिलें, तो भारतीय महिला खिलाड़ी भी विश्व क्रिकेट में किसी से कम नहीं हैं। अब समय आ गया है कि यह जीत न केवल ट्रॉफी बल्कि समानता की दिशा में ठोस नीतिगत बदलाव की भी प्रेरणा बने।

बिहार में चौपालों में एक ही गूंज है, और हर दिल से एक ही आवाज? कौन थामेगा बिहार की सत्ता की कमान?

हर राज्य में हार के बाद कांग्रेस और महागठबंधन को अब मान लेना चाहिए कि फिलहाल केंद्र हो या राज्य में राज करने का समय नही है।दुनिया भर में राष्ट्र वाद के उभार को देखते हुए यह वक्त अब रास्ट्रीय स्वयं सेवक के रथ पर बैठकर सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी का है और नरेंद्र मोदी व अमित शाह उसके सारथी है।राष्ट्रवाद के इस दौर की उम्र भले ही वैश्विकवाद व उदारवाद से थोड़ी कम रहे पर 50 साल से तो कम नही है।क्योंकि कांग्रेस नेता राहुल ने भी मंच से कहा है कि भाजपा 50 साल सत्ता से नही उतरेगी।निर्भर यह रहेगा कि इसके सारथी जिस तरह से विकास और भारत को बुलंदियों तक पहुंचा रहे है वैसे ही यह सिलसिला चलता रहेगा?जिस तरह से मोदी और भाजपा देश को समावेशी व कल्याणकारी बनाते आ रहे है ऐसे में कांग्रेस के पास और महागठबंधन करने के लिए अब दो काम है।वह अपनी भूमिका को पहचाने और उसके लिए काम करे,और दूसरा राज्यो में अपने बचे हुए अस्तित्व को प्रभावी बनाने के लिए कुछ ठोस फैसला ले।क्योकि जिस इंदिरा गांधी की बात बिहार चुनाव में कर रहे है।उनका इतिहास शायद राहुल ने नही पढा है।क्योंकि हिन्दू और हिन्दुत्व की बात कर लीपापोती करने वाले राहुल जैसा ही उनके पूर्वजो ने किया है।

तुष्टिकरण की इस राजनीति ने राहुल और कांग्रेस को धराशायी कर दिया है।अनपढ़ और निरक्षर मतदाता अब नही है।मोबाइल और इंटरनेट से जुड़े इस भारतीय समाज के लिए मुश्किल डगर नही है।शिक्षित समाज को राहुल गुमराह नही कर सकता है।बिहार चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प, अडानी और अम्बानी पर मोदी को निशाना बनाने वाले राहुल गांधी को यह आभास नही है कि विदेश नीति पर क्या बोलना चाहिए और क्या नही बोलना चाहिए।क्योंकि भारतीय विदेश नीति वर्तमान में सबसे अच्छी है।विदेश मंत्री एस जयशंकर की नीतियां आज दुनिया के सभी देशों को भा गई है।राजनीति और व्यवहारिक ज्ञान नही होने से देश चलाने में मुश्किले आती है।भारत को बुलंदियों पर पहुंचाने वाले नेताओं को हर बात की समझ है।नालन्दा विश्वविद्यालय की बात करने वाले राहुल को ज्ञात होना चाहिए कि इस धरोहर के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है।भाजपा का शासन दस वर्ष से आया है।लेकिन 60 सालों तक कांग्रेस की सत्ता रही है।अतिपिछड़ों की हालत कांग्रेस की देन है।अब महागठबंधन वोट लेने के लिए दलित,आदिवासी और यादव की शरण मे गए है।इनकी दुर्दशा महागठबंधन ने ही की है।बिहार में मेनिफेस्टो बताकर मतदाताओ का मिजाज भांपने निकली राजनैतिक पार्टियां अब विकाशील दल के साथ जाने का पूरा मन बना लिया है।बिहार अब वो बिहार नही रहा है जहां लालू की धोस से जनता मजबूर थी।बिहार ने अनन्तसिंह की गिरफ्तारी से सियासत गरमा गई है।मोदी ने आरा में सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि बिहार की जनता ने ठान लिया है कि अब फिर से एनडीए की सरकार

बनाने का मन बना लिया है।बिहार विधानसभा में धनबल और बाहुबल का खुलेआम प्रदर्शन किया जा रहा है।बाहुबलियों की सम्पति करोड़ो में है।वे चुनाव मैदान में है।मुंगेर के लिए प्रचार प्रसार करने पहुंचे नेताओ और जनता के बीच समन्यव स्थापित करने के लिए चर्चा की जा रही है।

स्थानीय लोगो के मुद्दे भी हावी है।बिहार में प्रियंका और तेजस्वी अपराध की बात करते सुनाई दिए है।जिस पार्टियो ने देश की आजादी के बाद लोगो की विरासत में कट्टा, क्रूरता और कुशासन ही दिया है।उनके मुह से यह बात शोभा नही देती है।कांग्रेस की अराजकता पूरा देश जानता है।जंगलराज वाले नीतीश सरकार पर जंगलराज का आरोप लगा रहे है।यह तो वही हुआ कि चोर कोतवाल को डण्डे।महिला सुरक्षा की बात दोहराई जा रही है।लेकिन एनडीए की पहली प्राथमिकता रही है कि महिलाओ और बेटियों की सुरक्षा सबसे पहले अमल में रखी जाती है।

यह समय महागठबंधन के लिए हताशा का है।क्योंकि कांग्रेस कई सालों से सत्ता से बाहर है और उसकी हड्डियो में भर गए आलस को दूर कर अपने को नए जोश और सोच भरने का कार्य करना चाहिए।कुदरत ने उसे नए रूपांतरण का समय दिया है।आजादी से पहले से ही नेहरू परिवार की प्रधानता रही और आजादी के बाद तो खुद कांग्रेसी ही उस परिवार के बिना अपने अस्तित्व की कल्पना नही कर सके।नेहरू गांधी परिवार इस देश पर कब्जा जमाना रखना चाहता है।कांग्रेस के दिग्गज नेता अपने बल पर खड़े हो पार्टी को आगे ले जाने की हिमत ही नही रखते।क्योंकि कांग्रेस खोई हुई राजनीति को वापस प्राप्त करने की कोशिश कर रही है।लेकिन जिस तरह सेक्युलवाद की आड़ में देश के साथ जो व्यवहार किया गया था अब वह शिक्षित समाज के लिए किसी घुसपैठ से कम नही है।

कांग्रेस के नेता राज परिवार को बाहर लाए थे और आज वे उसी युवराज की राजनैतिक अपरिपक्वता से चुभन महसूस कर रहे है।राहुल किस समय क्या बोल देते है।उसी का कारण है कि कांग्रेस हाशिये में चली जाती है।राहुल कहते है कि मैं इतना आरोप लगा रहा हूं लेकिन मोदी मेरे आरोपो का जवाब क्यों नही देते है?यह राहुल और कांग्रेस को समझना चाहिए?क्योंकि बिना जवाब दिए ही कांग्रेस का पतन दिनों दिन बढ़ता जा रहा है।जिस मुद्दे के लिए कांग्रेस को लड़ना चाहिए, उस मुद्दे को छोड़कर सीधा हमला मोदी पर ही किया जा रहा है।इसलिए कांग्रेस के लिए ठीक नही है।महागठबंधन की परीक्षा की घड़ी है।आर्थिक और सामाजिक स्तर पर मोदी ने कई फैसले लिए है।और मोदी आगे बढ़ा रहे है।मोदी और भाजपा का एक ही सपना है कि देश दुनिया की महासत्ता बने,लेकिन महागठबंधन के पास देश को समृद्धिशाली बनाने का विजन नही है।रास्ट्रीय पार्टी को तीसरे टर्म तक सफलता पूर्वक सता में बनाए रख पाना राजनीतिक व कूटनीति समझ के बिना संभव नही है।दुनिया मे भारत की विदेश नीति एक महत्वपूर्ण स्तर तक पहुंच गई है।वही कांग्रेस विदेशो में लोकतंत्र और मोदी की बुराई कर-के वाहवाही लूटने के असफल प्रयास करते है।मोदी और संविधान पर निशाना साधने वाले नेता भारत की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए प्रयास कर सकते है?आज कांग्रेस के पास जनाधार रखने वाले नेताओं की पार्टी में कमी महसूस की जा रही है।शायद राहुल गांधी की सक्रिय राजनीति में कोई रुचि नही दिखती है।अगर रुचि होती तो मुद्दे पर सियासत करने की जगह सीधा मोदी पर जूठा आरोप लगाकर करोड़ो लोगो की आस्था पर कुठाराघात कर रहे है।राहुल अपनी जिम्मेदारी समझे?पार्टी में दूरदर्शिता,तुरन्त फैसले लेने की क्षमता, साहस व लोगो को अपने साथ जोड़ने मि क्षमता रखने वाले नेताओं की कांग्रेस में कमी है।भारतीय राजनीति के इतिहास में अब तक सबसे ताकतवर नेता मोदी है जिनकी पटकनी कुटिल राजनीति के जानकार भी नही दे सकते है।मोदी को देवतुल्य मानने वालों की कमी नही है।कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजयसिंह दिग्गी ने जीता हुआ गोवा भी भाजपा ने छीन कर अपनी झोली में डाल दिया।कांग्रेस के बड़े दिग्गज नेता आज या तो भाजपा में है या राजनैतिक सन्यासी बन गए है।कांग्रेस की नीतियों को आज कोई समर्थन नही करता है।तुष्टिकरण की रेस में कांग्रेस फिस्सडी साबित हुई है।भाजपा के घाघ नेता मोदी और अमित शाह की जोड़ी की चालो के सामने नाकाम हो रहे है।कांग्रेस के सामने चुनौतियो को देखते हुए फिर से मंथन करने की जरूरत है।धीरे धीरे गांधी परिवार कांग्रेस को पीछे ले जा रहा है।शायद कांग्रेस के लिए अब राह आसान नही है।राहुल जिस तरह से मोदी पर अनर्गल बयानबाजी करते नजर आ रहे है।वही पर कांग्रेस की बैचेनी बढ़ती जा रही है।महागठबंधन के दावे,वादे टाय टाय फीस होते नजर आ रहे है।राहुल गांधी को नेहरू गांधी परिवार के एक ऐसे अंतिम व कमजोर व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा।जिसके नेतृत्व में पार्टी रसातल में आते आते अपने ही मौत मर गई है।राहुल में अगर दम है तो कांग्रेस की विचारधारा को बदलकर नए सिरे से पार्टी को खड़ा करने की फिर से कोशिश करे।अभी तो सारा दोष राहुल के मत्थे मढ दिया है लेकिन पुराने व नए केंद्र और राज्य में बैठे नेता खुद बताएं कि वे पार्टी को कैसे आगे ले जाने की क्षमता रखते है।कांग्रेस ने कर्नाटक में आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने का मन बनाया था।लेकिन हाईकोर्ट ने फैसला देते हुए कांग्रेस को लताड़ लगाई।इस तरह की मानसिकता वाली कांग्रेस के लिए क्या कहना है।रास्ट्रीय राजनैतिक पार्टी को 30 साल से सत्ता से बाहर रहना बड़ा मुश्किल कार्य है।30 साल का मतदाता कांग्रेस को जानता और समझ नही सकता है।महागठबंधन की जीत या हार कांग्रेस के स्थान को तय करेंगी।लेकिन यह जवाबदेही खुद अकेले राहुल की नही है।यह पार्टी आलाकमान की भी है।आजादी के बाद कई वर्षों तक सता में रही कांग्रेस ने समाज को जोड़ा ही नही था।बच्चे, बूढ़े, युवक,महिलाओं, गरीबो के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण आदि के कार्य में कोई परिवर्तन नही आया।आज भाजपा भारत की सर्वोच्च सता हासिल कर अपने हिंदुव के एजेंडे को कार्यरूप देने में लगा है।कांग्रेस ने इतने वर्षों में अपने जनाधार वाले सभी संगठनो को मार डाला।दुरुस्त लोगो के मन मे समाई कांग्रेस ने सत्ता सुख में डूब जाने के बाद वह सभी भुला दिए गए।विभिन्न राज्यो में एक के बाद एक राज्य में हार इस बात का कारण है कि वक्त आ गया है कि कांग्रेस अपनी नई भूमिका में फिर से रचनात्मक कार्यो की और मोडे ।अपने खोए हुए जनाधार वापस पाने के लिये ही नही,बचे हुए जनाधार बचाने के लिए भी यही जरूरी है।कांग्रेस को मंथन करना है अगर इसी तरह चलता रहा तो कांग्रेस के दिन बहुत कठिन आने वाले है।विकास के नाम पर कांग्रेस की चुप्पी उसे कांग्रेस से दूर करने के लिए काफी है।

चिंतन-मनन

प्रार्थना की शक्ति का महत्व...

मनुष्य का जीवन उसकी शारीरिक एवं प्राणिक सत्ता में नहीं, अपितु उसकी मानसिक एवं आध्यात्मिक सत्ता में भी आकांक्षाओं तथा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए और कामनाओं का है। जब उसे ज्ञान होता है कि एक महत्तर शक्ति संसार को संचालित कर रही है, तब वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, अपनी विषम यात्रा में सहायता के लिए, अपने संघर्ष में रक्षा के लिए आय प्राप्त करने के लिए प्रार्थना द्वारा उसकी शरण लेता है।

प्रार्थना द्वारा भगवान की ओर साधारण धार्मिक पहुंच, अपने को ईश्वर की ओर मोड़ देने के लिए यह हमारी प्रार्थनारूपी विधि हमारी धार्मिक सत्ता का मौलिक प्रयत्न है, और एक सार्वभौम सत्य पर स्थित है- भले ही इसमें कितनी भी अपूर्णताएं हों और सचमुच अपूर्णताएं हैं भी।

प्रार्थना के प्रभाव को प्राय? संदेह की दृष्टि से देखा जाता है और स्वयं प्रार्थना निरर्थक तथा निष्फल समझी जाती है। वैश्व संकल्प सदैव अपने लक्ष्य को ही कार्यान्वित करता है। वह सर्वज्ञ होने के कारण अपने वृहत्तर ज्ञान से कर्तव्य पहले ही जान लेता है, परंतु यह व्यवस्था यांत्रिक नियम से नहीं, बल्कि कुछ शक्तियों एवं बलों के द्वारा कार्यान्वित होती है।

यह मानव संकल्प, अभीप्सा और श्रद्धा का एक विशेष रूप मात्र है। प्रारंभ में प्रार्थना निम्न स्तर भी हमारे सबंध को तैयार करने में सहायता पहुंचाती है। मुख्य वस्तु इस प्रकार का साक्षात संबंध, मनुष्य का ईश्वर से संपर्क, सचेतक आदान-प्रदान न कि पार्थिव वस्तु की प्राप्ति।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

तिगरी गंगा मेले में लगभग 40 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

हर हर गंगे के साथ गूंज उठा तिगरी गंगा मेला

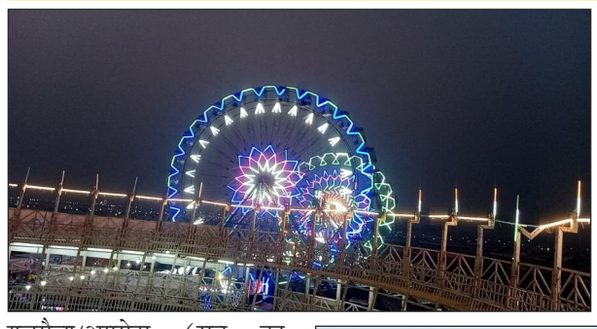

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान के पर्व पर जनपद के तिगरी गंगा मेले पर दूर दराज से आए हुए श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य कमाया। वही गंगा तट पर मुंडन संस्कार भी कराए गए। मेले में चारों तरफ भंडारे भी चलते हुए दिखाई दिए। जहां श्रद्धालुओं के द्वारा प्रसाद ग्रहण किया गया। गंगा मेले व गंगा घाटों पर प्रशासन के द्वारा की गई व्यवस्था भी काफी बेहतर दिखाई दी। आपको बता दें कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तिगरी गंगा मेला सौंदर्य के आकर्षण का केंद्र रहा। गंगा मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। जिसका श्रद्धालुओं ने भरपूर लुफ्त उठाया। तिगरी गंगा मेले में डेरा जमाने के लिए पहले ही 10 दिनों से श्रद्धालुओं का आवा गमन शुरू हो गया था और श्रद्धालुओं के द्वारा अपने-अपने डेरे लगाए जाने लगे थे। पिछले 10 दिनों से लगातार हर दिन मेले में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती हुई नजर आ रही थी। जहां बुधवार को श्रद्धालुओं के द्वारा सुबह 3:00 बजे से ही गंगा स्नान करना शुरू कर दिया गया। सुबह 4:00 बजे तक गंगा घाट पर भारी भीड़ दिखाई देने लगी। इस दौरान लाइटिंग की व्यवस्था गंगा मेले को चार चांद लगा रही थी। श्रद्धालु हर हर गंगे जय मां गंगे का उदघोष करते रहे। बताया जाता है कि इस बार गंगा मेले में लगभग 40 लाख के आसपास श्रद्धालु पहुंचे। जिन्होंने गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य कमाया। वही मुंडन संस्कार भी गंगा तट पर कराए गए। परिजनों के द्वारा अपने परिवार की आत्मा की शांति के लिए गंगा तट पर दीपदान भी किया गया।

मेले में प्रशासनिक व्यवस्था भी रही बेहतर

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स व पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की निगरानी में तिगरी गंगा मेले पर प्रशासनिक व्यवस्था चाक चौबंद रही जहां हर तरफ पुलिस का पहरा दिखाई दिया। वहीं जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए दिखाई दिए। जिले की जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के द्वारा मेले में की गई

बहजोई पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी को दबोचा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- स्थानीय थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की मोटरसाइकिल स्प्लेंडर प्लस बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान विजयपाल पुत्र हरद्वारी, निवासी ग्राम मऊकठेर, थाना बहजोई, जनपद संभल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, समीर पुत्र मुन्नन, निवासी इस्लामनगर, थाना इस्लामनगर, जनपद बदायूं ने थाना बहजोई में तहरीरी सूचना दी थी कि डीआर कोल्ड स्टोर के पास से अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई। इस संबंध में थाना बहजोई पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। आपको बता दें 5 नवंबर को थाना बहजोई पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सादातबाड़ी से बहजोई की ओर आ रहे एक मोटरसाइकिल सवार पर शक है। पुलिस ने बहजोई-सादातबाड़ी मार्ग पर घेराबंदी कर मोटरसाइकिल सवार को हिरासत में लिया और पूछताछ की। जांच में मोटरसाइकिल थाना बहजोई पर पंजीकृत चोरी के मुकदमे से संबंधित पाई गई। आरोपी विजयपाल को मय चोरी की मोटरसाइकिल के गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक रामरतन सिंह, कांस्टेबल हिमांशु और कांस्टेबल कुलदीप शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि आरोपी से आगे की पूछताछ की जा रही है और चोरी की अन्य वारदातों में संलिप्तता की जांच चल रही है।

संभल में कार्तिक पूर्णिमा पर लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

संभल(सब का सपना):- कार्तिक माह के पवित्र पर्व कार्तिक पूर्णिमा पर जनपद संभल में लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। राजघाट और सिसौना डांडा घाट पर सुबह 4 बजे से ही स्नान का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक चलता रहा। स्नान के बाद श्रद्धालु हरिबाबा के बांध पर बाबा के दर्शन को पहुंचे, जहां भक्ति और उत्साह का माहौल देखते ही बनता था।देर रात से ही घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी, जिससे पूरा क्षेत्र भगवान के जयकारों और उत्सव से सराबोर हो उठा। गंगा स्नान करने वालों में बुजुर्ग, महिलाएं, युवा और बच्चे सभी शामिल थे। हर कोई पवित्र नदी के जल में डुबकी लगाकर पुण्य कमाने और मनोकामनाएं पूरी करने की आस लिए हुए था। स्नान के पश्चात श्रद्धालु घाट पर आयोजित विशाल मेले का आनंद लेते नजर आए। मेले में झूले, खान-पान की दुकानें और विभिन्न स्टॉल सजे हुए थे, जहां परिवार के साथ लोग खूब समय बिता रहे थे। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। पुलिस बल की बड़ी संख्या तैनात की गई, जो भीड़ नियंत्रण और किसी अप्रिय घटना को रोकने में सक्रिय रही। घाटों पर बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे और एम्बुलेंस की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई। अब तक लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान कर चुके हैं और मेला उत्सव देर रात तक जारी है। यह पर्व हर साल कार्तिक पूर्णिमा पर मनाया जाता है, जब गंगा स्नान का विशेष धार्मिक महत्व होता है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि इस स्नान से पाप नष्ट होते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का दीक्षा संस्कार, महा प्रसाद के साथ हुआ समापन

कुशीननगर। फाजिलनगर क्षेत्र के ग्रामसभा लछिया स्थित श्री रामेश्वरम परमार्थ ट्रस्ट (देवभूमि हरिद्वार, उत्तराखंड) द्वारा संचालित प्राचीन सिद्धपीठ श्री रामेश्वरम महादेव धाम (मतवा जी की कुटी) के दिव्य प्रांगण में गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार की प्रेरणा व गायत्री शक्तिपीठ फाजिलनगर के सहयोग से पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अवधेश पाण्डेय मुख्य संरक्षक, श्री रामेश्वरम परमार्थ ट्रस्ट के मार्गदर्शन में धाम परिसर में मुण्डन व दीक्षा संस्कार सम्पन्न हुए। जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मुख्य यजमान सम्पादक पं. राजेश्वर द्विवेदी सपत्नीक तथा सह-यजमान रामनारायण यादव सेवानिवृत्त शिक्षक रहे। गायत्री परिवार की महिला टोली श्रीमती दौपदी गुप्ता व श्रीमती निर्मला कुशवाहा ने वैदिक मंत्रोच्चारण व भजन से पूरे प्रांगण को गुंजायमान कर दिया। संचालन डा. रामएकबाल कुशवाहा ने किया। बताया कि अब प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को यह दिव्य अनुष्ठान नियमित रूप से होगा। इस दौरान चि. आदित्य सिंह का मुण्डन संस्कार भी सम्पन्न हुआ। जिसका प्रमाणपत्र वरिष्ठ पत्रकार राजेश्वर द्विवेदी द्वारा प्रदान किया गया। श्री द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान समय में संस्कारों के प्रति जागरूकता आवश्यक है। कार्यक्रम में 51 प्रकार की सब्जियों से निर्मित अमृतासन महाप्रसाद भंडारा सम्पन्न हुआ, जिसकी व्यवस्था अरविन्द सिंह ने की। मुन्नीलाल मिस्त्री ने श्रमदान किया। धाम के व्यवस्थापक सन्यासी स्वामी बैरागी जी ने बताया कि ट्रस्ट के संरक्षक अवधेश पाण्डेय के निर्देशन में प्रत्येक शुक्रवार को आध्यात्मिक चौपाल का आयोजन होता है। कार्यक्रम में त्रियुगी नारायण पाण्डेय, पं. कैलाश मिश्र, पर्सन कुशवाहा,डा. हीरालाल श्रीवास्तव,आमोद कुमार उपाध्याय,पं.सुभाष पांडेय, रमेश कुमार वर्मा,गनेश गुप्ता, रामप्रीत यादव, सुलोचन यादव, मीरा देवी, तारा देवी, सिंधु बरनवाल आदि उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान फेज 5 के अंतर्गत बांटे गए पेंपलेट किया गया महिलाओं को जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे जनपद के थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों व कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वूमन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान के लिये चलाये जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत पुलिस कप्तान के निर्देशन में सभी थानों में तैनात महिला पुलिस कर्मियों, मिशन शक्ति टीम ने अपने-अपने क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, धार्मिक स्थलों के साथ ही खास जगाहों पर जाकर महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के बारे में जागरुक किया गया। इस दौरान बालिकाओं और महिलाओं को आत्मरक्षा, गुड टच, बैड टच के साथ ही उनके अधिकारों सहित महिला अपराधों से बचाव के लिये जागरुक किया गया । महिलाओं और बालिकाओं को बताया गया कि बस,रास्तों,आम जगाहों पर मनचलों और शोहदों के छेडखानी की घटना होने पर डरने के बजाय फौरन हेल्पलाइन नंबर 1090 सहित थाने पर जाकर एफ0आई0आर0 लिखाने के लिये जागरुक किया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इन्स्टाग्राम का बहुत ही होशयारी के साथ इस्तेमाल करने के बारे में बताया गया। इसके साथ ही महिला और बालिकाओं को यातायात नियमों के बारे में बतायात गया। साथ ही खुद नियमों का पालन करते हुए अपने घर और आसपास के लोगों का भी जागरुक करने के लिए कहा गया। वही उत्तर प्रदेश सरकार ने महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई तरह के हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमैन पावर लाइन ,181 वूमैन हैल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा , 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा सहित 1930 साइवर हेल्पलाइन के बारे में पूरी जानकारी दी गई।

महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन मे जनपद के थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों व कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन मंत्री बने गौरीशंकर चौधरी

संभल(सब का सपना):- लखनऊ के होटल एस पी इंटरनेशनल में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने की, जबकि प्रदेश अध्यक्ष रिपिन कंसल की उपस्थिति में युवा प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने युवा प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की। इस घोषणा में उत्तर प्रदेश के संभल जिले से गौरीशंकर चौधरी को प्रदेश संगठन मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्हें संगठन को गति प्रदान करने और पश्चिमी क्षेत्र को मजबूत बनाने का दायित्व दिया गया है।

नव नियुक्त प्रदेश संगठन मंत्री गौरीशंकर चौधरी ने इस अवसर पर कहा, "मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे यह सम्मान प्रदान किया। मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा से यह जिम्मेदारी निभाऊंगा तथा व्यापारियों के हित में सदैव तत्पर रहूंगा।" उन्होंने जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर का भी धन्यवाद ज्ञापित किया, जिन्होंने उन पर विश्वास जताया।इस खबर से व्यापारियों में खुशी का माहौल व्याप्त है। जल्द ही नव नियुक्त प्रदेश संगठन मंत्री गौरीशंकर चौधरी के स्वागत समारोह का आयोजन किया जाएगा। बैठक में संगठन की मजबूती और व्यापारियों के कल्याण पर विशेष जोर दिया गया।

बिहार चुनाव: धोरैया में राजनीतिक विरासत से टकराया विकास का दावा

तीर और लालटेन के बीच जंग

बांका। जिले की पांच विधानसभा सीटों में से धोरैया सीट अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित है। इस सीट पर भले ही आठ उम्मीदवार मैदान में हों, लेकिन असली मुकाबला जदयू के मनीष कुमार और राजद के त्रिभुवन दास के बीच सिमट गया है। एक तरफ जहां त्रिभुवन दास अपने पिता स्वर्गीय नरेश दास की राजनीतिक विरासत को भुनाने में जुटे हैं, वहीं मनीष कुमार अपने दो विधायकी के कार्यकाल की उपलब्धियों के दम पर वोट मांग रहे हैं।

नरेश दास यहां से पांच बार के विधायक रहे हैं, इसलिए मुकाबला अब साफ तौर पर तीर बनाम लालटेन का बन चुका है। धोरैया विधानसभा क्षेत्र का गठन 1952 में हुआ था। यहां कांग्रेस और सीपीआई का दबदबा रहा। 1967 के बाद यह सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हो गई। वर्ष 2000 के बाद यहां समता पार्टी के भूदेव चौधरी का पर्दापण हुआ। उनके जमुई से सांसद बनने के बाद मनीष कुमार ने राजनीतिक बागडोर संभाली। पिछले चुनाव में राजद के भूदेव चौधरी ने जदयू के मनीष कुमार को 2687 मतों से हराया था। इस बार राजद ने भूदेव चौधरी को टिकट से बेदखल कर दिया है, जिससे पार्टी में नाराजगी गहराई है। स्थानीय मतदाताओं का मानना है कि उनकी उपेक्षा राजद को नुकसान पहुंचा सकती है।

दरअसल, धोरैया क्षेत्र कृषि प्रधान है, लेकिन आज तक यहां कोई औद्योगिक इकाई स्थापित नहीं हो सकी है। कृषि आधारित उद्योगों की असीम संभावनाओं के बावजूद रोजगार का संकट गहराता जा रहा है। यहां के दो प्रखंड धोरैया और रजौन मिलकर इस विधानसभा का गठन हुआ है।

दोनों में 38 पंचायतों की संख्या है। बेरोजगारी और पलायन यहां के सबसे बड़े मुद्दे हैं। यहां के गांवों में शायद ही कोई घर ऐसा हो, जहां से परिवार का कोई सदस्य रोजगार की तलाश में बाहर न गया हो। शुरूआती चुनावी दौर में यही मुद्दे छाए रहे, पर जैसे-जैसे मतदान की तारीख करीब आई, गोलबंदी जातीय रेखाओं पर सिमटने लगी। इस क्षेत्र में लगभग 26 हजार हेक्टेयर में धान और रबी की खेती होती है, लेकिन अवैध बालू खनन ने नदियों के पेट को खोखला कर दिया है। चांदन, गेरुआ, गहिरा, मिरचिनी, कदवा और रकौली जैसी नदियां अब सिंचाई के लायक नहीं रह गई हैं। धोरैया के चांदनी चौक पर बैठे राजीव सिंह का कहना है कि नीतीश कुमार ने स्वास्थ्य, बिजली और सड़क के क्षेत्र में जितना काम किया, उतना किसी मुख्यमंत्री ने नहीं किया। वहीं मु. शेख का कहना है कि रोजगार और पलायन के मुद्दे पर सरकार का ध्यान नहीं गया। राजेश मंडल मानते हैं कि अगर जनसुराज के प्रशांत किशोर नहीं होते, तो आज रोजगार और शिक्षा पर चर्चा ही नहीं होती। रजौन के सीताराम मंदिर में बैठे पुजारी चन्द्रकिशोर झा कहते हैं कि भूदेव चौधरी का टिकट काटकर पार्टी ने गलती की है। इसी जगह बैठे अजय राव का कहना है कि मनीष कुमार ने क्षेत्र को पहला पालिटेक्निक कालेज दिया है, यह उनका बड़ा योगदान है। आगे कोतवाली चौक पर बैठे युवाओं के बीच चर्चा थी कि जनसुराज उम्मीदवार सुमन पासवान भी जिला पार्षद हैं। वह इसी क्षेत्र के हैं। वहीं अजय राव ने विश्वास जताया कि 2025 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बनेंगे। रजौन स्कूल के पास महिला मतदाता सोनी देवी ने राज्य सरकार की दस हजार वाली योजना की सराहना की। जबकि कालेज छात्र उत्तम कुमार का कहना था कि तेजस्वी युवा हैं, उन्हें मौका मिलना चाहिए। राधिका झा ने कहा कि आजादी के बाद अगर किसी ने महिलाओं को मजबूत किया है तो वो नीतीश कुमार हैं। वैसे सियासी मैदान में रोजगार, पलायन और सिंचाई जैसे जातीय समीकरणों के घेरे में सिमटता जा रहा है। अब देखना यह है कि धोरैया की जनता विरासत पर भरोसा जताती है या विकास पर विश्वास करती है।

हर बूथ पर सशस्त्र बल, सभी सीमाएं सील

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान के लिए सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। सभी बूथों पर सशस्त्र बलों की तैनाती की गई है। चुनाव कार्य में करीब साढ़े चार लाख सुरक्षाकर्मी लगाए गए हैं, जिनमें 1500 कंपनी केंद्रीय बल शामिल है। इसके अलावा बिहार पुलिस, बिहार विशेष सशस्त्र बल, एसएसबी, होमगार्ड आदि की भी ड्यूटी लगाई गई है। चुनाव को देखते हुए नेपाल सहित सभी जिलों की सीमाएं सील कर दी गई हैं।

दियारा क्षेत्र में घुड़सवार दल को तैनात किया गया है। केंद्रीय बलों के अलावा बिहार पुलिस के 60 हजार कर्मियों को भी चुनावी ड्यूटी में लगाया गया है। इसके अलावा अन्य राज्यों से आई रिजर्व बटालियनों के करीब दो हजार जवान, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के तीस हजार जवान, बीस हजार से ज्यादा होमगार्ड और लगभग 19 हजार प्रशिक्षु सिपाहियों को भी चुनावी कार्य में लगाया गया है। ग्रामीण इलाकों में लगभग 1.5 लाख चौकीदार भी चुनाव ड्यूटी में लगाए गए हैं। विधानसभा चुनावों के दौरान वीवीआइपी लोगों की सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए प्रत्येक जिले में वीआइपी सुरक्षा पूल बनाया है। इस पूल के राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) से प्रशिक्षण प्राप्त पुलिसकर्मियों और जवानों को शामिल किया गया है। चुनाव के दौरान आपात स्थिति से निबटने के लिए बिहार पुलिस ने क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) का भी गठन किया गया है।

मतदान के दिन क्या रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था?

डीएम ने जारी किया आदेश

पटना। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी कौशल कुमार ने आदेश जारी कर बताया कि जिला अन्तर्गत 10 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र कुशेश्वरस्थान (अजा), गौड़ाबौराम, बेनीपुर, अलीनगर, दरभंगा ग्रामीण, दरभंगा, हायाघाट, बहादुरपुर, केवटी एवं जाले में पहले चरण में छह नवम्बर को मतदान की तिथि निर्धारित है। मतदान कार्य सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक सम्पन्न होगा। निर्वाचन की तिथि घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता भी लागू है। पूर्व में ऐसा देखा जाता है कि मतदान के दिन चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने के उद्देश्य से असामाजिक तत्व नाजायज मजमा बनाकर हथियार से लैस होकर निजी भाड़े पर वाहन लेकर मतदान कार्य बाधित करने का प्रयास करते हैं। लोक शांति को प्रभावित करते हैं। इससे मतदान की गोपनीयता भंग होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। स्वच्छ,निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न कराने तथा लोक व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि मतदान तिथि को असामाजिक तत्वों एवं अपराधियों की गतिविधियों पर पूर्णतया रोक लगाई जाए, ताकि निर्वाचन के दौरान मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग भयमुक्त वातावरण में निर्भय होकर कर सके। उन्होंने बताया कि मतदान के दिन सभी प्रकार के वाहनों (दो पहिया वाहन सहित) का परिचालन पूर्णतया निषिद्ध रहेगा। आकस्मिक चिकित्सा के लिए मरीज के साथ एम्बुलेंस का परिचालन एवं अन्य आवश्यक सेवाओं जैसे- विद्युत, दुग्ध वैन,पानी का टैंकर आदि का आवागमन होगा।

प्रेमी युगल ने मंदिर में की शादी

जमुई। एक प्रेमी युगल ने भागकर मंदिर में शादी कर ली। बुधवार को इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल कर अपनी शादी की जानकारी दी। प्रेमी टाउन थाना क्षेत्र के सोनपे गांव का निवासी बताया जा रहा है, जबकि प्रेमिका की पहचान जमुई नगर परिषद क्षेत्र के भछियार मोहल्ले की सिद्धि कुमारी के रूप में हुई है। वायरल वीडियो में सिद्धि कुमारी ने बताया कि वह सोनपे गांव के एक युवक से प्यार करती थी, जो उसके घर के पास साइबर कैफे चलाता था। उनके बीच पिछले छह सालों से संबंध था। उसने दावा किया कि वह अपनी मर्जी से आई है और उसे किसी ने भगाया नहीं है, बल्कि वह खुद युवक को लेकर भागी है और उससे शादी की है।

संक्षिप्त डायरी

बाल सुधार गृह में फिर बड़ा कांड; सुरक्षाकर्मी पर हमला कर 12 बच्चे भागे, 5 को फिर पकड़ा गया

दरभंगा। जिले के लहेरियासराय स्थित बाल सुधार गृह में मंगलवार देर रात बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जब 12 बाल बंदियों ने ड्यूटी पर तैनात रात्रि गार्ड पर हमला कर दीवार फांदकर फरार हो गए। इस घटना से प्रशासन में हड़कंप मच गया है। सूत्रों के मुताबिक, गार्ड पर हमला करने के बाद सभी बाल कैदी सुधार गृह की दीवार कूदकर भाग निकले। इस दौरान बाहर मौजूद कुछ लोगों ने पूरी घटना का वीडियो मोबाइल में कैद कर लिया, जिसमें सभी बच्चे दीवार फांदते हुए दिखाई दे रहे हैं।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने देर रात सर्च ऑपरेशन चलाया और 12 में से 5 बाल बंदियों को फिर से पकड़ लिया, जबकि 7 अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। दरभंगा के एसएसपी जगन्नाथ रेड्डी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि ह्लबीती रात बाल सुधार गृह से 12 कैदी फरार हुए थे। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पांच को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी सात की तलाश जारी है। सभी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गौरतलब है कि हाल के महीनों में दरभंगा का यह बाल सुधार गृह कई विवादों में रहा है। पिछले तीन महीनों में यहां तीन बाल बंदियों ने आत्महत्या की थी, जो सुधार गृह में लाए जाने के एक सप्ताह के भीतर ही हुई थी। इन सभी मामलों में पुलिस जांच की बात कहती रही है, लेकिन अब एक साथ 12 बाल कैदियों के फरार होने से सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

मधुबनी में बड़ी कार्रवाई, इंडो-नेपाल सीमा पर 20 लाख नेपाली रुपए के साथ एक युवक गिरफ्तारे

मधुबनी। पुलिस को विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी सफलता मिली है। इंडो-नेपाल सीमा से सटे लदनिया थाना क्षेत्र में एसएसबी (सीमा सुरक्षा बल) और मधुबनी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 20 लाख नेपाली करेंसी के साथ एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। लदनिया थानाध्यक्ष अनुप कुमार ने बताया कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की सघन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव तक यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा थानाध्यक्ष ने यह भी बताया कि इंडो-नेपाल सीमा खुली होने के कारण अक्सर तस्करी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इसी का फायदा उठाकर कुछ लोग अवैध गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही जयनगर बॉर्डर पर भी एसएसबी और मधुबनी पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से 20 लाख नेपाली करेंसी और लगभग 20 लाख भारतीय रुपए बरामद हुए थे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव के दौरान सीमा क्षेत्रों में सतर्कता और निगरानी और अधिक कड़ी कर दी गई है ताकि किसी भी तरह की अवैध गतिविधि पर तुरंत रोक लगाई जा सके।

युवती से छेड़छाड़, विरोध पर परिजनों से मारपीट

बेतिया। नगर के एक मोहल्ले में देर रात शौच के लिए घर से बाहर निकली एक युवती से छेड़छाड़ और विरोध करने पर उसके तथा उसके परिजनों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलने के बाद नगर थाने की पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पांच आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की लिखित शिकायत पर बसवरिया वार्ड नंबर एक निवासी राजेश राम, अखिलेश राम, दिनेश राम, सुरेश राम और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के अनुसार, यह घटना रात करीब 12:30 बजे हुई जब पीड़िता शौच के लिए घर से बाहर निकली थी। इसी दौरान राजेश राम ने उसका रास्ता रोककर गलत व्यवहार करने का प्रयास किया। युवती की ओरसे विरोध किए जाने पर आरोपी ने उसे पकड़कर धक्का दिया और उसके कपड़े खींचने की कोशिश की।

पीड़िता के शोर मचाने पर उसके परिजन मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इसके बाद आरोपी और उसके सहयोगियों ने परिजनों के साथ भी मारपीट की, जिसमें दो लोग घायल हो गए। परिजनों ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने पुराने विवाद और रंजिश के चलते सुनियोजित तरीके से इस घटना को अंजाम दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर रही है। आरोपी फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

जहां अहिल्या का उद्धार हुआ, वहीं गंगा स्नान से मिलता है मोक्ष, गोदना-सेमरिया मेला बना आस्था का केंद्र

सारण। बिहार के सारण जिले की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और गौरवशाली धरती रिविलगंज इन दिनों धार्मिक उत्साह और भक्ति भावना से सराबोर है। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम चंद्र की लीला भूमि, न्याय शास्त्र के प्रणेता महर्षि गौतम और श्रृंगी ऋषि की तपोस्थली गौतम स्थान पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। मंगलवार की देर शाम से ही सरयू नदी के पावन तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी और बुधवार की सुबह से देशभर से आए हजारों भक्त सरयू में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित करने में जुट गए। महर्षि गौतम-अहिल्या उद्धार मंदिर, गोदना, अकराहा बाबा मठ, करियावा बाबा मंदिर, जहाज घाट, श्रीनाथ बाबा मंदिर घाट सहित रिविलगंज के दर्जनों मंदिरों और मठों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। प्रशासन ने मेले में आए श्रद्धालुओं के लिए रात्रि विश्राम और अन्य सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की है। पूरा क्षेत्र भक्ति, आस्था और पौराणिक परंपरा के रंग में रंगा हुआ है। स्थानीय लोग ह्लअतिथि देवो भवह्व की भावना के साथ दूर-दराज से आए भक्तों का स्वागत कर रहे हैं।गौतम ऋषि की तपोभूमि सरयू तट धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, त्रेता युग में यहीं महर्षि श्रृंगी के पुत्रेष्टि यज्ञ के फलस्वरूप भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। यही कारण है कि यह भूमि न केवल धार्मिक, बल्कि ऐतिहासिक दृष्टि से भी विशेष महत्व रखती है। चार किलोमीटर में फैले इस क्षेत्र में मंदिरों की प्राचीन श्रृंखला इसकी ऐतिहासिकता को दशार्ती है। बाल्मीकि रामायण में भी इस स्थल का विस्तृत उल्लेख मिलता है। यहां का गोदना-सेमरिया नहान मेला धार्मिक दृष्टि से सोनपुर के हरिहर क्षेत्र मेला और बलिया के ददरी मेले जितना ही महत्वपूर्ण है। भले ही व्यावसायिक प्रसिद्धि सोनपुर या ददरी को मिली हो, लेकिन आस्था और पौराणिकता में रिविलगंज का मेला किसी से कम नहीं है। शास्त्रों के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन सरयू नदी में स्नान करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। तुलसीदास जी ने भी रामचरित मानस में सरयू स्नान की महिमा का उल्लेख करते हुए लिखा है, ह्लकोटि कल्प काशी बसे, मथुरा बसे हजार, एक निमित्त सरयू बसे, तुलसी न तुलसी दास ह्लह्व कहा जाता है कि इस दिन सरयू में स्नान करने वाला भक्त वैकुंठ लोक को प्राप्त करता है। यही कारण है कि हर साल बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल से लाखों श्रद्धालु इस अवसर पर रिविलगंज पहुंचते हैं। गौतम स्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां झूठ बोलने की मनाही है। मान्यता है कि महर्षि गौतम ने यहीं सत्य और असत्य का निर्णय किया था। जो भी व्यक्ति यहां झूठ बोलता है, उसे तत्काल दंड मिलता है। यही वह स्थान है जहां महर्षि गौतम ने अपनी पत्नी अहिल्या को श्राप दिया था और भगवान श्रीराम के चरण स्पर्श से उनका उद्धार हुआ था। गोदना स्थित गौतम-अहिल्या उद्धार मंदिर में भगवान श्रीराम के चरण चिन्ह आज भी मौजूद हैं। मान्यता है कि बक्सर में राक्षसी ताड़का का वध करने के बाद श्रीराम, लक्ष्मण और वशिष्ठ मुनि गंगा पार कर रिविलगंज पहुंचे थे और कार्तिक पूर्णिमा के दिन सरयू में स्नान के बाद यहीं विश्राम किया था। स्नान के बाद सतू और मूली खाने की परंपरा आज भी प्रतीक रूप में निभाई जाती है। इतिहासकारों और स्थानीय लोगों का मानना है कि यह मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति की विरासत है।

इस बार का चुनाव जात-पात से ऊपर उठकर विकास के लिए होना चाहिएः चिराग

भागलपुर। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बुधवार को भागलपुर के पीरपैंती विधानसभा क्षेत्र स्थित खवासपुर हाई स्कूल मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा प्रत्याशी मुरारी पासवान के समर्थन में जनता से अपील की। इस दौरान उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बिहार में एनडीए की सरकार बनना तय है। चिराग पासवान ने अपने संबोधन में कहा कि इस बार का चुनाव जात-पात से ऊपर उठकर विकास के लिए होना चाहिए, जिसका नारा "बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट" है। उन्होंने जोर दिया कि जनता अब केवल वादों में नहीं फंसेगी, बल्कि उस गठबंधन का साथ देगी जिसने देश और बिहार के विकास के लिए ठोस कार्य किए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में हुए विकास कार्यों की सराहना की। पासवान ने बताया कि एनडीए सरकार ने गरीबों के लिए घर, शौचालय, गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने इन उपलब्धियों को आगे बढ़ाने के लिए मुरारी पासवान को विजयी बनाने का आह्वान किया। जनसभा में चिराग पासवान ने दोहराया कि बिहार में एनडीए की सरकार का गठन निश्चित है और जनता विकास की राजनीति पर भरोसा कर रही है। उन्होंने लोगों से "हर बूथ, हर वोट एनडीए के नाम" के संकल्प के साथ मतदान करने की अपील की, ताकि नीतीश कुमार एक बार फिर मुख्यमंत्री बनें और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिहार को और सशक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर सभा स्थल पर हजारों ग्रामीण उपस्थित थे। लोग चिराग पासवान का भाषण सुनने और उनके हेलिकॉप्टर को देखने के लिए मैदान में देर तक रुके रहे। मंच पर भाजपा प्रत्याशी मुरारी पासवान, स्थानीय भाजपा और जदयू नेताओं सहित कई एनडीए पदाधिकारी मौजूद थे।

बुलडोजर दिखाकर योगी बोलेः ये बिहार में चलने वाला है

जो राम का नहीं, किसी काम का नहीं, आरजेडी कितनी भी घोषणा करे विश्वास मत करना

गयाजी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गयाजी के वजीरगंज में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। योगी ने लालू पर निशाना साधते हुए कहा, पहले चरण में इन लोगों ने पशुओं का चारा खाया। दूसरे चरण में गरीबों का राशन हजम कर जाएंगे। अगर इन लोगों को अवसर दिया तो, मैं आपसे कहता हूं, फिर से जंगलराज आएगा। इसलिए NDA कैंडिडेट्स को वोट देकर जिताइए। RJD कितनी भी बड़ी घोषणा करे कभी विश्वास नहीं करना। जो राम का नहीं हुआ, वो हमारे किसी काम का नहीं होगा। जो राम द्रोही है, वो हमारा भी द्रोही है। ये लोग जंगलराज ही लाएंगे। आगे भी यही करेंगे।' योगी ने सभा में खड़े 7 बुलडोजर दिखाते हुए कहा- 'देख लीजिए यही आपके बिहार में भी चलने वाले हैं। बस हमारी सरकार बनवाइए।' सभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, 'RJD और कांग्रेस ने किसानों को लूटा। विकास का पैसा अपने परिवार के विकास में लगा दिया। उनके राज में सब चौपट था। नक्सलवाद फैलता गया। माफिया राज फैलता गया।

सत्ता के समानांतर माफिया की सरकार चलने लगी। जिस बिहार ने देश को बनाया। इन लोगों ने उस बिहार के लोगों के सामने पहचान का संकट पैदा किया। किसानों को खुदकुशी करने पर मजबूर किया। बहन और बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ किया। व्यापारी पलायन करने लगा। पूरा विकास बाधित कर दिया। बिहार में RJD और कांग्रेस का इलाज NDA है।' उन्होंने कहा, 'यूपी में RJD-कांग्रेस की पार्टनर है समाजवादी पार्टी। उनका एक शागिर्द है। उस माफिया ने समाजवादी पार्टी के समय 4 किलेनुमा बंगले बना डाले। मेरी सरकार आई तो मैंने लोगों से पूरा ये किसके घर हैं। लोगों ने किसी माफिया का नाम बताया। मैंने कहा- ये तो माफिया है। लोगों ने कहा- हां। मैंने कहा फिर बुलडोजर चलाया जाए। उसका घर गिरवाकर आज गरीबों के घर बनवा दिए हैं। जातीय सेना खड़ी कर के इन लोगों ने बिहार के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। जब भी बटेंगे तो कटेंगे।' योगी ने कहा, 'इन लोगों को परेशानी होती है कि शहरों के नाम क्यों बदलते हो। हम नाम इसलिए बदल देते हैं ताकि उसके अनुरुप काम हो सके। फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या किया। क्यों कि पहले उसका नाम अयोध्या ही था। भगवान राम का जन्म यहां हुआ था। गंगा-यमुना का जहां संगम होता है उसका नाम प्रयागराज था। मुगलकाल में इलाहबाद कर दिया। हमने फिर से पलटकर प्रयागराज कर दिया। यहां कांग्रेस को परेशानी होगी कि कहीं वीरेंद्र सिंह जी वजीरगंज का का नाम ना बदल दें। यूपी सीएम ने कहा, 'मोदी जी ने 11 साल में भारत का कायाकल्प कर दिया। 2005 के पहले बिहार में क्या था। पहचान का संकट था। बिहार और यूपी के नाम देश दुनिया में कोई सम्मान नहीं देता था। अकेले लालू जी के शासन में बिहार के अंदर 7 से ज्यादा नरसंहार हुए थे। 30 हजार से ज्यादा अपहरण हुए। बिहार के डॉक्टर, इंजीनियर कोई सुरक्षित नहीं थे। उस वक्त जंगलराज था। मोदी जी ने पिछले 11 साल में विकास के काम किए। आज बिहार के अंदर सुशासन की सरकार है।

कांग्रेस के कार्यक्रमों के दौरान तेरा-मेरा नहीं चलेगा, बल्कि कार्यक्रमों के दौरान फोटो लगाने के लिए प्रोटोकॉल होगाः राव नरेंद्र

चंडीगढ : हरियाणा कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र ने एक पत्र कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता से लेकर जिलों में भेजकर साफ कर दिया है कि जिलों में होने वाले कार्यक्रमों के दौरान "तेरा-मेरा" नहीं चलेगा बल्कि इस पर नेताओं का फोटो लगाने के लिए प्रोटोकॉल का विशेष ध्यान रखना होगा। इस बारे में स्पष्ट लिखा गया है कि कार्यक्रमों में जारी किए गए आदेशों का पालन करना होगा, अब से पहले मनमाने तरीके और गुटों के हिसाब से पोस्टर व बैनर लगते रहे हैं, जिनसे गुटबाजी व धड़ा बंदी का संदेश जाता है। इस पर रोक लगाने के लिए पार्टी की ओर से कदम उठाया गया है। जानकारी अनुसार पीसीसी चीफ राव नरेंद्र ने एक पत्र लिखकर साफ किया है कि अब से पहले भी दिशा निर्देश जारी किए गए थे। लेकिड्ड उनका पालन सौ फीसदी होना चाहिए। जिलों में होने वाले कार्यक्रमों में लगने वाले बैकड्राप, पोस्टर बैनर होर्डिंग पर प्रोटोकॉल के तहत पार्टी नेताओं के फोटो लगाए जाने चाहिएं। पत्र में साफ किया गया है कि पत्र में बताए गए क्रमाांक के हिसाब से फोटो लगाने चाहिएं।

संबंधित जिले के सांसद और विधायकों के लगाने होंगे फोटो

पत्र में साफ किया गया है कि जिलों में लगने वाले पोस्टर बैनर में जिलों में सांसद, विधायकों के फोटो भी लगाने होंगे। इस तरह के कदम उठाने से जहां कांग्रेस की एकजुटता का संदेश जाएगा वहीं जनप्रतिनिधियों के सम्मान का विषय भी है। राव नरेंद्र ने अपने पत्र में पूर्व सीएम और नेता विपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ साथ में पार्टी के सांसदों, सभी विधायकों पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों, सारी जिला कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्ड्डक्ष सदस्यों, डेलीगेट्स हरियाणा कांग्रेस से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व सदस्यों, नगर निगम, पिछले चुनावों में विधानसभा, लोकसभा के र्त्याशी सभी को लिखा गया है। इसके अलावा पार्टी के सभी संगठनों, प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों सभी को पत्र की कापी भेजी गई है। हाईकमान को भी भेजा गया पत्र, आदेशों की पालना कराने की कवायद प्रदेश अध्यक्ष की ओर से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी पत्र की कापी भेजकर साफ कर दिया गया है कि पार्टी की ओर से सभी आदेशों की पालन कराने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणूगोपाल, पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद, सहप्रभारी जितेंद्र बघेल, प्रफुल्ल गुडधे सचिव एआईसीसी व हरियाणा मामलों के सहप्रभारी को भी भेजी गई है।

राज्यपाल से मिलने के लिए मांगा वक्त-राव नरेंद्र

प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने प्रदेश के राज्यपाल से मिलने का वक्त मांगा है। पीसीसी चीफ ने बताया कि किसानों और प्रदेश में खराब कानून व्यवस्था के हालात को लेकर राज्यपाल को हम मिलकर ज्ञापन देने की तैयारी में हैं। हमने लिखित में पत्र भेजकर राज्यपाल हरियाणा असीम घोष से वक्त मांगा है।

राव नरेंद्र ने बताया कि जैसे ही राज्यपाल की अनुमति होगी हम मिलकर उन्हें राज के हालात के बारे में ज्ञापन सौंप देंगे। राव ने कहा कि अब कांग्रेस के सभी दिग्गज नेता एक मंच पर एकत्र होकर प्रदेश के अंदर जोरदार अभियान चलाने जा रहे हैं, हाईकमान द्वारा दिए गए दिशा निदेशों के अनुसार काम हो रहा है।

खबर एक्सप्रेस

एक ही घर में 501 वोटर, तो दूसरे में 108... हरियाणा में वोटर लिस्ट पर राहुल गांधी के गंभीर आरोप

चंडीगढ़ः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर वोट चोरी हुई है और मतदाता सूची में भारी गड़बड़ियां हैं। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी टीम ने जब वोटर लिस्ट का विश्लेषण किया तो चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा,हरियाणा में एक ही घर में 501 वोटर दर्ज हैं, जबकि दूसरे घर में 108 वोटर पाए गए हैं। क्या यह संभव है? यह एक सुनियोजित फजीर्वाड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि यह मामला केवल तकनीकी त्रुटि का नहीं, बल्कि चुनाव की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठाने वाला है। राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा में लगभग 19 लाख बल्क वोटर्स हैं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने अपनी टीम से फिजिकल रिकॉर्ड लाने को कहा, तो जवाब मिला कि डेटा इतना बड़ा है कि उसकी जांच कर पाना लगभग असंभव है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल ने सीएम के साथ एक बीजेपी नेता उमेश की तस्वीर दिखाते हुए कहा कि इनका पता हाउस नंबर 150 है। दावा किया गया कि यहां 66 लोग रहते हैं, लेकिन जांच में यह झूठ निकला। होडल में हाउस नंबर 265 पर 501 लोग दर्ज हैं, जबकि हकीकत में ऐसा कोई घर ही नहीं है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि चुनाव आयोग (EC) के नियम के मुताबिक अगर किसी घर में 10 से अधिक वोटर दर्ज हैं, तो फिजिकल वेरिफिकेशन अनिवार्य होता है। उन्होंने बताया कि कोई चेकिंग और ग्राउंड वेरिफिकेशन नहीं हुआ है। ईसी जानबूझकर ऐसा नहीं कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि वह यह मामला इसलिए उठा रहे हैं ताकि भारत के युवा और GenZ समझें कि यह सिर्फ राजनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की साख का सवाल है। उन्होंने कहा कि मैं भारत के चुनाव आयोग और लोकतंत्र पर सवाल उठा रहा हूं, इसलिए मैं यह 100% सबूतों के साथ कर रहा हूं। राहुल ने दावा किया कि उनके पास ऐसे स्पष्ट सबूत हैं जो दिखाते हैं कि हरियाणा में करीब 25 लाख मतदाता फर्जी हैं या तो वे मौजूद नहीं हैं, या डुप्लिकेट नाम हैं, या फिर किसी विशेष परिणाम के लिए डिजाइन किए गए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हमें पूरा यकीन है कि कांग्रेस की भारी जीत को हार में बदलने की योजना बनाई गई थी।

मु झे कार नहीं देंगे, तब तक मैं तु म्हें अपने घर नहीं रखूंगा, दहेज न देने पर विवाहिता की हत्या

फरीदाबाद : हरियाणा के फरीदाबाद जिले के ओल्ड फरीदाबाद थाना क्षेत्र के गांव दौलताबाद में दहेज में कार न देने पर एक विवाहिता की मारपीट कर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 24 वर्षीय प्रीती के रूप में हुई है। मृतका की शादी करीब डेढ़ साल पहले ही हुई थी। मायकेवालों ने पति और ससुर समेत कुल पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने आरोपी पति धर्मेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतका के पिता वीरेंद्र सिंह, निवासी गांव सुरीरकला, मथुरा (उत्तर प्रदेश) ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी तीन बेटियां और तीन बेटे हैं। सबसे बड़ी बेटी प्रीती की शादी 6 मार्च 2024 को गांव दौलताबाद निवासी धर्मेंद्र कुमार के साथ की गई थी। धर्मेंद्र एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी में नौकरी करता है। पिता ने बताया कि उन्होंने बेटी की शादी में अपनी हैसियत से अधिक करीब 10 से 11 लाख रुपये खर्च किए थे। शादी में दान-दहेज भी दिया गया था, लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल वाले प्रीती को कार न देने पर ताने मारते और उसे प्रताड़ित करने लगे। प्रीती जब शादी के कुछ दिन बाद मायके आयी तो उसने बताया कि उसका पति धर्मेंद्र, जेठ, सास, ससुर और जेठानी मिलकर उसे कम दहेज लाने के लिए मारते-पीटते हैं। पति धर्मेंद्र कहता था कि जब तक तुम्हारे घरवाले मुझे कार नहीं देंगे, तब तक मैं तुम्हें अपने घर नहीं रखूंगा। पिता वीरेंद्र सिंह ने बताया कि शादी के बाद जब पहली होली का त्योहार आया, तब उनके बेटे सचिन, प्रवेश और चाचा दिनेश बेटी को लिवाने दौलताबाद पहुंचे। लेकिन दामाद धर्मेंद्र ने कहा कि मेरे घर में केवल एक ही आदमी आएगा। इसके बाद प्रवेश घर के अंदर गया और कुछ घंटे बाद प्रीती को लेकर मायके लौट आया। तब प्रीती ने बताया कि उसके पति और ससुराल वालों ने फिर से उसके साथ मारपीट की।वीरेंद्र सिंह ने आगे बताया कि कुछ समय पहले बेटी प्रीती ने एक बच्ची को जन्म दिया था। तब दामाद धर्मेंद्र ने फोन करके कहा था कि अगर एक लाख रुपये नहीं दोगे तो प्रीती का ठीक से इलाज नहीं कराऊंगा। इस पर उन्होंने तत्काल 20 हजार रुपये नकद दौलताबाद जाकर दिए। इसके अलावा कई बार ऑनलाइन पैसे धर्मेंद्र के खाते में ट्रांसफर किए। उन्होंने बताया कि 3 फरवरी को ड्ड9999, 22 मई को 20,000, 6 अक्टूबर को ड्ड5000 रुपये धर्मेंद्र के खाते में भेजे थे। इसके बावजूद धर्मेंद्र और उसका परिवार दहेज की मांग बढ़ाते रहे। आरोप है कि 30 अक्टूबर को धर्मेंद्र, ससुर वेदराम, जेठ मानसिंह, सास मोगन देवी और जेठानी सुनीता ने मिलकर प्रीती के साथ मारपीट की। 31 अक्टूबर को जब उनका बेटा बेटी से मिलने गया तो उसने भी देखा कि घर में झगड़ा हुआ है। इसके बाद से प्रीती का फोन बंद हो गया था। वीरेंद्र सिंह ने बताया कि 2 नवंबर की रात करीब तीन बजे उन्हें सूचना मिली कि उनकी बेटी की हत्या कर दी गई है। जब वे पहुंचे तो देखा कि प्रीती की मौत हो चुकी थी। उनका आरोप है कि ससुराल पक्ष ने दहेज की मांग पूरी न होने पर उनकी बेटी को प्रताड़ित कर मार डाला। इस मामले में पुलिस ने पति धर्मेंद्र कुमार, ससुर वेदराम, जेठ मानसिंह, सास मोगन देवी और जेठानी सुनीता के खिलाफ दहेज हत्या की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी मदन सिंह ने बताया कि आरोपी पति धर्मेंद्र को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे एक दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में फांसी लगाने की बात सामने आई है, लेकिन परिजनों की शिकायत को देखते हुए हर एंगल से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

जस्टिस एन.एस. शेखावत ने सु खना झील पर 27वें हरियाणा राज्य खेल का किया शु भारंभ

चंडीगढ़ : पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति एन. एस. शेखावत ने आज सुंदर व आकर्षक सुखना झील पर आयोजित 27वें हरियाणा राज्य खेल (कायकिंग एवं कैनोइंग) का शुभारंभ किया। इस अवसर ने हरियाणा के प्रमुख जलीय खेल आयोजन की ऊजार्वान शुरूआत की, जो टीम भावना, अनुशासन और उत्कृष्टता का प्रतीक है। अपने संबोधन में न्यायमूर्ति शेखावत ने हरियाणा के खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से राज्य और देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ उत्कृष्टता की राह पर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में गुरप्रीत कौर देव, आईपीएस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि कैप्टन जसविंदर मीनू बेनीवाल, अध्यक्ष, हरियाणा ओर्लंपिक एसोसिएशन, विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। समारोह की शुरूआत एक रंगीन फ्लैग-ऑफ (ध्वज प्रस्थान) से हुई, जिसमें झील की चमचमाती सतह पर विभिन्न टीमों ने अपनी नावों के साथ पंक्तिबद्ध होकर उद्घाटन का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में सोनीपत, फरीदाबाद, पंचकूला, रोहतक, चंडीगढ़, गुरुग्राम, कुरुक्षेत्र, झज्जर, करनाल और हिसार की टीमें भाग ले रही हैं और अपने कौशल एवं खेल भावना का प्रदर्शन कर रही हैं। मंजीत सिंह के अनुसार, कायकिंग और कैनोइंग प्रतियोगिताएं अगले तीन दिनों तक पंजाब विश्वविद्यालय खेल विभाग के सहयोग से आयोजित की जाएंगी। इस प्रतियोगिता का आधिकारिक नारा – मिट्टी से मेडल तक – हरियाणा की गहरी जमी हुई खेल भावना और उस प्रतिबद्धता को दशार्ता है जिसके जरिए राज्य अपने खिलाड़ियों को मिट्टी से लेकर पदक मंच तक पहुंचाने में विश्वास रखता है।

दामोदर यादव ने धीरेंद्र शास्त्री को कहा मानवता और सनातन का दुश्मन

हरियाणा : दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव ने हिंदू संतों और गुरुओं के खिलाफ विवादित बोल बोले हैं। उन्होंने सनातम धर्म के संतों के नाम लेकर उन पर निजी टिप्पणियां की है। जिसको लेकर काफी चर्चा हो रही है और वो हिंदू समाज के निशाने पर आ गए हैं। मानवता और सनातन का दुश्मन धीरेंद्र शास्त्री है-दामोदर

दरअसल दामोदार यादव धीरेंद्र शास्त्री की सनातन एकता पदयात्रा के खिलाफ हैं । दामोदार यादव ने कहा कि मंदिर धीरेंद्र नहीं हैं, धर्म धीरेंद्र नहीं हैं, मानवता धीरेंद्र नहीं है, अगर कोई मानवता और सनातन का दुश्मन है तो वो धीरेंद्र शास्त्री है। आगे यादव ने कहा कि भगवान के नाम तुम्हारा शोषण करने वाला अगर कोई है वो धीरेंद्र शास्त्री है। मैं रामभद्राचार्य को 'अक्ल का अंधा; कहता हूं-दामोदर दामोदार यादव यही नहीं रुके उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री की पूरी जमात हो, चाहे वो अनिरुद्धाचार्य हो , चाहे उसका वो अंधे वाला बाबा हो, मैं तो उसे अक्ल का अंधा कहता हूं ।

गुर्जर और यादवों तुम लट्ठ गलत दिशा में चलाते हो-यादव

गुर्जर और यादवों से आह्वान करते हुए दामोदर यादव ने कहा मेरे गुर्जर यादव भाइयों... तुम्हारे द्वारा स्थापित मंदिरों पर दूसरे काबिज हैं, और तुम लट्ठ गलत दिशा में चलाते हो। अरे...अहीर गुर्जरों तुम्हारी लाठियों में बड़ी ताकत है, लेकिन तुम नीचे को चलते हो ऊपर की ओर नहीं चल पाते। तुम अपने मंदिर नहीं बचा पाए तो क्या बचा पाओगे..एक बार अपने अपने भाई दामोदर का साथ दे दो दोनों से छीनकर आपको दे दूँगा।

हरियाणा वोट चोरी विवादः धर्मेंद्र प्रधान का राहुल गांधी पर तीखा हमला

हरियाणा : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने हरियाणा में वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को कड़ा जवाब दिया है। प्रधान ने कहा कि राहुल गांधी झूठ और फॉल्स नैरेटिव के रिसर्च सेंटर बन चुके हैं और हर बार उनका झूठ का बम फुस्स हो जाता है। प्रधान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस बिहार में होने वाली करारी हार से ध्यान भटकाने का एक हथकंडा मात्र है। यह सब जानते हैं कि राहुल गांधी देश के संविधान, लोकतंत्र और संसदीय व्यवस्था में वास्तविक विश्वास नहीं रखते। वे ऐसे लोक में खोए हैं, जहां उन्हें लगता है कि ह्यन खाता, न बही, जो राहुल गांधी कहें वही सही। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी इन बेबुनियाद आरोपों के जरिए बिहार चुनाव में संभावित हार से खुद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके मुताबिक, कांग्रेस, राजद और महागठबंधन की स्थिति कमजोर है और जनता लगातार इन्हें नकार रही है।प्रधान ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी हर बार नया झूठ गढ़ते हैं, जो जल्द ही बेनकाब हो जाता है, और फिर वे कोई नया मुद्दा उठा लेते हैं। अब लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। इससे पहले, राहुल गांधी ने वोट चोरी के आरोप लगाते हुए कहा था कि यह सिर्फ कर्नाटक के आलंद और महादेवपुरा तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की साजिश है जिससे सत्तारूढ़ भाजपा को लाभ पहुंचाया जा रहा है। राहुल गांधी ने हरियाणा का उदाहरण देते हुए कहा कि सभी एक्जिट पोल कांग्रेस की जीत दिखा रहे थे, लेकिन नतीजे उलट निकले। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में ऑपरेशन सरकार चोरी के तहत पांच तरीकों से वोटों में छेड़छाड़ हुई– डुप्लीकेट वोटर, इनवैलिड एड्रेस, बल्क वोटिंग, और फॉर्म-6 व फॉर्म-7 का दुरुपयोग। उनके अनुसार, महादेवपुरा और आलंद के बाद चुनाव आयोग ने फॉर्म-6 और फॉर्म-7 का डेटा जारी करना बंद कर दिया।

हांसी में नशे की ओवरडोज से युवक की मौत का मामला, नशा बेचने वाली 2 महिलाएं गिरफ्तार

हांसी : दो दिन पहले नशे की ओवरडोज से हुई युवक की मौत के मामले में हांसी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बुधवार को 2 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। दोनों महिलाओं पर गैर-इरादतन हत्या (105 BNS, 123BNS) की धारा में मामला दर्ज किया गया है। जानकारी देते हुए डीएसपी विनोद शंकर ने बताया कि मृतक युवक के परिजनों ने पुलिस को उसके एक दोस्त के बारे में जानकारी दी थी, जो उसके साथ नशा करता था। जब पुलिस ने उस साथी से पूछताछ की तो उसने खुलासा किया कि उन्होंने साईं कॉलोनी निवासी दो महिलाओं से नशा खरीदा था, जिसे स्थानीय भाषा में चिट्टे के रूप में जाना जाता है। इसी नशे की ओवरडोज लेने से युवक की मौत हो गई थी। पुलिस को मृतक का शव हिसार रोड स्थित सुनील होंडा के पीछे खाली पड़े प्लॉट की झाड़ियों में बरामद हुआ था। मौके से पुलिस ने कई नशे के इंजेक्शन भी जब्त किए थे। इन सबके आधार पर पुलिस ने गहराई से जांच शुरू की और बुधवार को दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान साई कॉलोनी निवासी कांता उम्र लगभग 40 वर्ष और अनिता उम्र 35 वर्ष के रूप में हुई है। दोनों महिलाओं ने यह स्वीकार किया कि मृतक मोनू उनसे कई बार नशा लेकर जाता था और 2 नवंबर की रात को भी नशा खरीद कर ले गया था। डीएसपी विनोद शंकर ने कहा कि पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन महिलाओं को नशा कौन सप्लाई करता था और नेटवर्क कहां तक फैला है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार महिलाओं को जल्द ही अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि आगे की कड़ी तक पहुंचा जा सके। डीएसपी ने कहा कि हांसी पुलिस नशे के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। शहर के चिन्हित इलाकों में डॉग स्क्वायड और पीसीआर टीमें नियमित गश्त कर रही हैं।

हमारा उद्देश्य है कि नशे की आवक पूरी तरह बंद हो और युवा पीढ़ी को इस दलदल से बाहर निकाला जा सके।

करनाल में धान घोटाले में एक्शन, हैफेड जिला प्रबंधक को किया निलंबित

चंडीगढ़ : करनाल जिले में सरकारी धान घोटाले का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। धान खरीद में हुई गड़बड़ी के बाद अब हैफेड विभाग में बड़ा एक्शन लिया गया है। विभाग के प्रबंध निदेशक ने जिला प्रबंधक (डीएम) अमित कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। करनाल और तरावड़ी मंडियों में धान खरीद में फजीर्वाड़ा सामने आने के बाद पहले ही कई अधिकारी नप चुके हैं। फूड एंड सप्लाई विभाग के 4 इंस्पेक्टर, 1 सब इंस्पेक्टर,तरावड़ी मार्केट कमेटी के सचिव संजीव सचदेवा, करनाल मंडी की सचिव आशा रानी, 2 मंडी सुपरवाइजर, 1 ऑक्शन रिकॉर्डर और 3 ऑपरेटरों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। अब हैफेड के जिला प्रबंधक अमित कुमार पर भी गाज गिरी है। सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में और भी अधिकारियों पर कार्रवाई की संभावना है।

बहादुरगढ़ में हमलावर ने शराब ठेकेदार पर चलाई दनादन गोलियां, बाल-बाल बची जान

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ़ एक शराब ठेकेदार पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। अज्ञात हमलावर ने एक के बाद एक शराब ठेकेदार पर दो गोलियां दागी। इस हमले में शराब ठेकेदार बाल बाल बच गया। हमलावर गोलियां चलाकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की गई। घटना बहादुरगढ़ के गांव शाहपुर की है। शाहपुर निवासी विकास ने बुपनिया रोड पर शराब का ठेका कर रखा है। शराब के ठेकेदार विकास के पिता धर्मपाल ने बताया कि विकास रोजाना की तरह मंगलवार शाम को ठेके पर बैठा हुआ था। रात करीब 9 बजे एक युवक, जिसने काले रंग की टी-शर्ट पहन रखी थी, ठेके के पास आया और बिना कुछ बोले पिस्तौल निकालकर उस पर दो फायर कर दिए। एक गोली दीवार के पास जा लगी, जबकि दूसरी फायर भी उसे नहीं लगा। घटना के बाद आरोपी पैदल ही मौके से भाग निकला। विकास के पिता ने बताया कि शराब ठेके को लेकर ही उसका किसी के साथ विवाद चल रहा है। हो सकता है कि इसी विवाद के चलते विकास पर फायरिंग की गई हो। वहीं ठेकेदार विकास ने पुलिस को शिकायत दी है। हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और फायरिंग के कारणों का भी अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुट गई है। थाना सदर पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस का कोई भी अधिकारी इस मामले में मीडिया के सामने कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

राहुल गांधी के खुलासे पर युवा कांग्रेस अध्यक्ष का हमला,: भाजपा ने जनादेश चुराया, कांग्रेस सड़क से विधानसभा तक उठाएगी मामला

बहादुरगढ़ : कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पत्रकार वार्ता में दावा किया कि प्रदेश में भाजपा ने 25 लाख से अधिक वोट चोरी की हैं। इस दावे के तुरंत बाद हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया और हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेश मीडिया चेयरमैन प्रदीप यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो तथ्य देश के सामने रखे हैं, वे चौंकाने वाले हैं और लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा हैं। कटारिया ने भाजपा पर जनता का जनादेश छीनकर सत्ता पर कब्जा करने का आरोप लगाया। कटारिया ने कहा कि भाजपा सरकार ने सुनियोजित तरीके से वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कराई। कांग्रेस संगठन द्वारा घर-घर जाकर की गई वोटर लिस्ट की जांच में यह पाया गया कि हजारों वोटें जीरो मकान नंबर पर बनी हैं, कई मृत लोगों के नाम अब भी सूची में हैं और एक ही व्यक्ति के नाम पर कई वोट दर्ज हैं। उन्होंने इसे "वोट चोरी" नहीं बल्कि "लोकतंत्र की चोरी" करार दिया। राहुल गांधी द्वारा बताए गए तथ्यों को आधार बनाते हुए कटारिया ने कहा कि हरियाणा में भाजपा ने बड़े पैमाने पर फर्जी वोटरों को शामिल कर चुनाव परिणामों को प्रभावित किया। उन्होंने घोषणा की कि कांग्रेस अब इस मामले को सड़क से लेकर विधानसभा तक उठाएगी।

कटारिया ने हरियाणा में वोट चोरी के कुछ चौंकाने वाले उदाहरण देते हुए कहा कि मतदाता सूची में एक ब्राजीलियाई मॉडल के नाम पर 22 वोट दर्ज पाए गए। उन्होंने यह भी बताया कि एक ही विधानसभा में कई बूथों पर एक ही महिला की 100 तस्वीरें मिलीं, और एक ही बूथ में एक बुजुर्ग महिला के 223 वोट दर्ज थे। इसके अतिरिक्त, हरियाणा में मतदाता सूची में 1,22,000 फर्जी तस्वीरें पाई गईं, और एक ऐसे मकान में 501 मतदाता दर्ज थे, जो अस्तित्व में ही नहीं है। कटारिया ने यह भी आरोप लगाया कि हजारों भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं के उत्तर प्रदेश और हरियाणा दोनों राज्यों में वोट दर्ज हैं।

बीजेपी और कांग्रेस चोर चोर मौसेरे भाई हैं, एक सांपनाथ है तो दूसरा नागनाथ हैः अभय सिंह चौटाला

चंडीगढ़ :इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा ने कहा कि आज गुरु पर्व जैसा पवित्र दिन है और हरियाणा की राजनीति में बड़ा धमाका होने जा रहा है। जिन्होंने चौधरी देवीलाल के साथ काम किया उनके साथ लड़ाई लड़ी आज प्रोफेसर संपत सिंह हमारे बीच मौजूद हैं और इनेलो पार्टी में शामिल होने पर उनका स्वागत करते हैं। गौरव संपत सिंह का भी स्वागत है। चौधरी देवीलाल ने प्रोफेसर संपत सिंह को वित्त मंत्री बनाया। ये उनके नवरत्नों में शामिल थे। इस दौरान राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरएस चौधरी, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव प्रकाश भारती, संगठन सचिव उमेद लोहान, इनेलो विधायक अदित्य देवीलाल, पार्टी सचिव नछत्तर सिंह मलहान मौजूद रहे। अपने संबोधन में प्रोफेसर संपत सिंह ने कहा कि वे अभय सिंह चौटाला और रामपाल माजरा का धन्यवाद करते हैं। जो मंच मुझे चौधरी देवीलाल और चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने दिया आज फिर से मुझे काम करने के लिए वही मंच दिया। जो शिक्षा और अनुभव उन्होंने चौधरी देवीलाल के साथ रहते हुए हासिल किया था। जब चौधरी साहब का निधन हुआ था। उन्होंने कहा था कि पार्टी आप संभालोगे। मुझे ऐसा लगा कि वो मुझे आदेश दे रहे हैं। मेरा एक सपना है कि प्रदेश के लोग जो बीजेपी को बदलना चाहते हैं अब मेरी अपनी पार्टी इनेलो हरियाणा में भाजपा के सामने एक मजबूत विकल्प बने। मेरे लिए बुरा

दिन था जब मैं इनेलो छोडकर कांग्रेस में गया था। मुझे दुख है कि मैंने इनेलो को छोड़ा और 16 साल कांग्रेस में रहा। मेरे 16 साल खराब हुए। भूपेंद्र हुड्डा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस में कई लोगों ने मुझे घर बैठाने की कोशिश की। मुझे कहीं कोई जगह नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता साल 2016 के राज्यसभा चुनाव के स्याही कांड के बारे में बोलते नहीं हैं जब इन्होंने पेन बदल कर वोट चोरी किए। अकेले उचाना में भूपेंद्र हुड्डा के आशीर्वाद प्राप्त आजाद उम्मीदवारों के रूप में 60 हजार वोट चोरी हुई है। उन लोगों ने किसने खड़ा किया।? जब आपको सीएम बनाया आपने श्रीकृष्ण हुड्डा का इस्तीफा लिया। लोकसभा की टिकट पर श्रीकृष्ण हुड्डा का हक बनता था लेकिन अपने बेटे को चुनाव लड़ा दिया। विधान सभा चुनावों में जीतने वाले लोगों की टिकटें काट दी और जिनके पास धन बल था उनको टिकट दे दिए। कांग्रेसी नेता सिर्फ दिखावे के लिए ही एससी बीसी की बात करते हैं। जब कुमारी सैलजा के खिलाफ टिप्पणी की गई तब इन्होंने कार्रवाई करने की जगह उसे वायरल किया। कुम्हार जाति से आने वाले रामनिवास घोड़ेला का बरवाला से टिकट काट दिया। कांग्रेस के पास 37 विधायक हैं। लेकिन क्या ये कभी सडक पर दिखे? 4 महीने से किसानों के घर और खेत डूबे हुए हैं। कांग्रेस ने क्या किया? किसानों को खाद नहीं मिल रहा। बीजेपी की सरकार एचकेआरएन के माध्यम से युवाओं का शोषण कर रही है। कांग्रेस ने इसके खिलाफ क्या किया?

प्रो. संपत सिंह ने बीजेपी पर भी हमला बोलते हुए कहा कि जहां निजीकरण आता है मतलब वहां सरकार फेल है। बीजेपी सरकार यूनिवर्सिटी को फंड नहीं दे रही बल्कि लोन दे रही है। कॉलेज बंद हो रहे हैं क्योंकि कोर्स एक जैसे हैं। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं खराब हैं। प्राइवेट अस्पतालों में मुफ्त इलाज बंद कर दिया गया है। सरकारी अस्पतालों में सुविधाएं नहीं हैं। हरियाणा के सबसे बुरे हालात हैं। हमारे युवाओं को विदेशों में मारा जा रहा है। उन्हें वापिस भेजा जा रहा है। प्रो. संपत सिंह ने कहा कि आज भले ही इनेलो के पास दो विधायक हैं।

संक्षिप्त समाचार

विस्फोट की जांच के बाद हार्वर्ड मेडिकल स्कूल फिर से खुला

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका के बोस्टन में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की एक इमारत फिर से खुल गई है, जबकि सप्ताहांत में हुए एक विस्फोट की 'बेहद सक्रिय' जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि यह विस्फोट जानबूझकर किया गया था। विश्वविद्यालय पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह एक अधिकारी ने फायर अलार्म बजाया और गोल्डनसन बिल्डिंग से दो लोगों को भागते हुए देखा। विस्फोट इमारत की चौथी मंजिल पर हुआ, जहां मेडिकल स्कूल के न्यूरोबायोलॉजी विभाग से जुड़ी प्रयोगशालाएं और कार्यालय हैं। बोस्टन अग्निशमन विभाग ने पाया कि विस्फोट जानबूझकर किया गया था और अधिकारियों को इमारत की तलाशी के दौरान कोई अतिरिक्त उपकरण नहीं मिले। पुलिस ने बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मेडिकल स्कूल के अधिकारियों ने एक बयान में कहा, 'चौथी मंजिल के गलियारे का वह छोटा सा हिस्सा जहां विस्फोट हुआ था, साफ कर दिया गया है और अब पूरी तरह से चालू है। इमारत को कोई संरचनात्मक क्षति नहीं हुई है और सभी प्रयोगशालाएं और उपकरण सुरक्षित हैं।' एफबीआई के एक प्रवक्ता ने सोमवार को जांच को 'बेहद सक्रिय' बताने के अलावा कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने चेहरे को ढंके हुए और स्वेटशर्ट जैसे कपड़े पहने दो लोगों की धुंधली तस्वीरें जारी की हैं।

बांग्लादेश-पाकिस्तान रिश्ते सुधरने का दावा

ढाका , एजेंसी। ढाका में एक शीर्ष बांग्लादेशी राजनयिक ने कहा है कि पिछले साल से पाकिस्तान के साथ उनके देश के संबंधों में सुधार हुआ है। उसने बताया कि दोनों देशों में व्यापार बढ़ाने के लिए कराची-चटगांव के बीच सीधे समुद्री संपर्क स्थापित करने की जरूरत पर जोर दिया गया। पाकिस्तान में बांग्लादेश के उच्चायुक्त इकबाल हुसैन खान ने कहा कि यह कोई रहस्य नहीं है कि पिछले 10-12 वर्षों से दोनों पक्षों के बीच संबंध अच्छे नहीं रह थे, लेकिन अब हालात काफी बदल गए हैं। खान ने कहा, हर स्तर पर संबंधों में सुधार हुआ है।

भूटान में वैश्विक शांति प्रार्थना उत्सव, विश्व को एकता का संदेश

थिम्फू, एजेंसी। वैश्विक अशांति और संघर्षों के बीच भूटान की राजधानी थिम्फू ग्लोबल पीस प्रेयर फेस्टिवल 2025 की मेजबानी की तैयारी में जुटी है। यह आयोजन विश्वभर के लोगों को शांति, करुणा और एकता के लिए प्रार्थना में जोड़ने का प्रयास करेगा। मंगलवार से शुरू हो रहे इस दो सप्ताह के उत्सव में हजारों भक्त, भिक्षु और आध्यात्मिक नेता शामिल होंगे। उत्सव की शुरुआत 4 से 10 नवम्बर तक कुएनसेलफोद्रांग में जाब्शी धोएछोग अनुष्ठान से होगी।

कैरेबियाई देशों में तूफान मेलिसा का कहर, अब तक 50 की मौत

किंग्स्टन, एजेंसी। भीषण तूफान मेलिसा ने जमैका, हैती और क्यूबा में भारी तबाही मचाई है। जिसमें अब तक 50 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को आए श्रेणी-5 के इस चक्रवात ने जमैका में भारी तबाही मचाई। तूफान के बाद द्वीप के 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सों में बिजली आपूर्ति ठप है और लगभग आधे जलस्रोत सिस्टम बंद पड़े हैं।

जांच के बीच एफडीए अधिकारी जॉर्ज टिडमार्श का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के शीर्ष दवा नियामक डॉ. जॉर्ज टिडमार्श ने रविवार को इस्तीफा दे दिया। स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के प्रवक्ता के मुताबिक, उनके व्यक्तिगत आचरण से जुड़ी गंभीर चिंताओं की जांच शुरू होने के बाद यह कदम उठाया गया। टिडमार्श को शुक्रवार को निलंबित किया गया था और रविवार सुबह उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इस बीच औरिनिया फार्मास्यूटिकल्स नामक कंपनी ने उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

बीजिंग में रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन ने की चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात

बीजिंग , एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को बीजिंग में रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन से मुलाकात की। यह जानकारी दोनों देशों के सरकारी मीडिया ने दी है। मिशुस्तिन दो दिन के चीन दौरे पर हैं। उन्होंने बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में द्विपक्षीय बैठक की। रूसी प्रधानमंत्री के साथ एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी चीन पहुंचा है, जिसमें उप प्रधानमंत्री तात्याना गोलिकोवा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। वे सोमवार को हांगझोउ पहुंचे थे। चीन की ओर से इस बैठक में विदेश मंत्री वांग यी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुस्लिम मेयर से नफरत? ट्रंप की खुली धमकी- ममदानी जीते तो न्यूयॉर्क को फंड नहीं मिलेगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोहरन ममदानी न्यूयॉर्क के मेयर चुनाव में जीत हासिल करते हैं, तो उनका प्रशासन न्यूयॉर्क सिटी की फंडिंग में कटौती कर देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए यह भी कहा कि वे स्वतंत्र उम्मीदवार और पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्युओमो का समर्थन करते हैं और अपने समर्थकों से उन्हें ही वोट देने की अपील की है।

ट्रंप ने लिखा कि अगर ममदानी मंगलवार को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव जीतते हैं, तो यह बहुत ही असंभव है कि मैं संघीय फंडिंग दूं, सिवाय उन न्यूनतम अनुदानों के जो कानूनी रूप से आवश्यक हैं। ट्रंप प्रशासन पहले भी डेमोक्रेट पार्टी द्वारा शासित राज्यों और शहरों के लिए संघीय फंडिंग और ग्रांट्स में कटौती की कोशिश करता रहा है। ट्रंप ने एक लंबी पोस्ट में लिखा, 'अगर कम्युनिस्ट उम्मीदवार जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का चुनाव जीत जाते हैं, तो मैं अपने प्यारे पहले घर वाली इस शहर को संघीय फंड्स देने में बहुत कम योगदान दूंगा, सिर्फ न्यूनतम जो जरूरी हो। क्योंकि कम्युनिस्ट होने के नाते, इस महान शहर के सफल होने या जीवित रहने की कोई संभावना नहीं है! कम्युनिस्ट के नेतृत्व में हालात सिर्फ

और खराब होंगे और मैं राष्ट्रपति के तौर पर अच्छा पैसा बुरे के पीछे नहीं फेंकना चाहता। मेरा फर्ज देश चलाना है और मुझे पूरा यकीन है कि ममदानी के जीतने पर न्यूयॉर्क सिटी पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक आपदा बन जाएगा। उनके सिद्धांत हजारों साल से आजमाए जा चुके हैं, और कभी सफल नहीं हुए। मैं तो यही चाहता हूं कि कोई सफल रिकॉर्ड वाला डेमोक्रेट जीते, न कि अनुभवहीन कम्युनिस्ट जिसका रिकॉर्ड पूरी नाकामी का है। असेंबलीमैन के रूप में वे कुछ नहीं थे, क्लास में सबसे नीचे रैंक पर थे और दुनिया के संभवतः सबसे महान शहर के मेयर के रूप में उनके पास इसे पुरानी शान पर लौटाने का कोई मौका नहीं है! हमें ये भी याद रखना चाहिए- कर्टिस स्लिवा (जो बिना बेरे के काफी बेहतर लगते हैं!) को वोट देना मतलब ममदानी को वोट देना है। आपको एंड्र्यू कुओमो पसंद हों या न हों, आपके पास कोई विकल्प नहीं है। आपको उनके लिए वोट करना ही होगा और उम्मीद करनी होगी कि वे शानदार काम करेंगे। वे ऐसा करने में सक्षम हैं, ममदानी नहीं!

चुनावी स्थिति : मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एनवायसी मेयर चुनावों में ममदानी को बढ़त हासिल है। उनके मुख्य प्रतिद्वंदी एंड्रयू क्युओमो स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तीसरे स्थान पर माने जा रहे हैं। क्युओमो ने पहले डेमोक्रेटिक प्राइमरी में ममदानी से हारने के बाद स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला किया था। अगर ममदानी चुनाव जीतते हैं तो वे न्यूयॉर्क शहर के पहले मुस्लिम मेयर होंगे। ममदानी के समर्थकों का कहना है कि ट्रंप को मुस्लिम उम्मीदवार होने के चलते उनसे नफरत है। हालांकि ट्रंप समर्थक भी ममदानी की मुस्लिम पहचान के चलते उन पर निशाना साधते आए हैं। रिपब्लिकन नेताओं के हमले रिपब्लिकन नेताओं ने ममदानी की उम्मीदवारी को लगातार निशाने पर लिया है। कुछ नेताओं ने यहां तक कहा कि उनकी नागरिकता की जांच की जानी चाहिए और उन्हें अमेरिका से निष्कासित किया जाना चाहिए। स्वयं ट्रंप ने ममदानी को कम्युनिस्ट करार देते हुए कहा कि एक कम्युनिस्ट के शासन में न्यूयॉर्क सिटी में फंड देना पैसे की बर्बादी होगी। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा कि कर्टिस स्लिवा के लिए वोट देना, ममदानी को जीताने जैसा है। चाहे आपको एंड्र्यू क्युओमो पसंद हों या नहीं, आपके पास कोई और विकल्प नहीं है। आपको उन्हें वोट देना चाहिए और उम्मीद करनी चाहिए कि वे शानदार काम करेंगे। वे ऐसा करने में सक्षम हैं, लेकिन ममदानी नहीं! ट्रंप का 60 मिनट इंटरव्यू अमेरिकी टीवी चैनल सीबीएस के कार्यक्रम '60 मिनिट' को दिए गए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अगर न्यूयॉर्क में एक कम्युनिस्ट मेयर होगा, तो मैं शहर को बहुत पैसा नहीं दे सकता। यह पैसे की बर्बादी होगी, अगर ममदानी जैसे व्यक्ति न्यूयॉर्क के मेयर बने। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में न्यूयॉर्क सिटी को संघीय सरकार से कुल 7.4 बिलियन डॉलर की फंडिंग मिली है। इस रकम का बड़ा हिस्सा इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन, सार्वजनिक सुरक्षा और आवास योजनाओं पर खर्च होता है।

इस्राइली सेना में बड़ा कांड, सैन्य अधिकारी ने जेल के आपत्तिजनक फुटेज लीक किए; हंगामा होने पर गिरफ्तार

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली सेना में एक बड़ा कांड सामने आया है, जिसके बाद हंगामा हो गया है। दरअसल पिछले हफ्ते इस्राइली सेना की मेजर जनरल वकील यिफ्त टोमेर यरूशलमी ने कबूल किया कि उन्होंने जेल के सर्विलांस वीडियो लीक किए हैं। यह वीडियो जेल में इस्राइली सेना द्वारा फलस्तीनी कैदियों के साथ गंभीर दुर्व्यवहार से जुड़ा है। वीडियो लीक की इस घटना ने इस्राइल में राजनीतिक विवाद का रूप ले लिया है और यिफ्त टोमेर यरूशलमी लोगों के निशाने पर आ गई हैं।

क्या है विवाद : लीक किए गए वीडियो में कुछ इस्राइली सैनिकों पर फलस्तीनी कैदी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। इस मामले की जांच चल रही है और आरोपी सैनिकों के खिलाफ आरोप पत्र दायर हो गए हैं। यिफ्त टोमेर यरूशलमी का कहना है कि इन फुटेज को लीक करने का उद्देश्य आरोपों की गंभीरता को उजागर करना था, जिनकी जांच उनके द्वारा की जा रही थी। हालांकि वीडियो लीक होने के बाद इस्राइली सेना में मेजर जनरल यिफ्त टोमेर दक्षिणपंथी राजनेताओं के निशाने पर आ गई हैं। यह विवाद इतना बड़ा हो गया है कि भारी दबाव के चलते यिफ्त टोमेर ने बीते दिनों इस्तीफा दे दिया। विवाद के बीच यिफ्त ने अपने परिवार के लिए एक नोट

छोड़ा और समुद्र तट से गायब हो गईं। इसके बाद माना जाने लगा कि यिफ्त ने शायद आत्महत्या कर ली हैं। हालांकि इसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें सैन्य ड्रोन्स की मदद ली गई। आखिरकार यिफ्त जीवित मिल गई और अब उन्हें जेल में डाल दिया गया है।

दक्षिणपंथी राजनेताओं के निशाने पर गिरफ्तार सैन्य अधिकारी

जेल की वीडियो फुटेज लीक करने के चलते यिफ्त टोमेर दक्षिणपंथी राजनेताओं के निशाने पर इस कदर हैं कि उनका एक फोन गायब है तो राजनेताओं ने दावा किया है कि संभावित सबूतों को नष्ट करने के लिए ऐसा किया गया है और आत्महत्या का नाटक भी सबूतों को मिटाने के लिए ही था। इस्राइली मीडिया के अनुसार, लीक की जांच के दौरान पूर्व चीफ सैन्य वकील कर्नल मातन सोलोमेश को भी गिरफ्तार किया गया है। हालांकि अभी तक पीएम कार्यालय की तरफ से मातन सोलोमेश की गिरफ्तार पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

पाकिस्तान में कई टीटीपी आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाक सुरक्षा बलों ने कई अभियानों में कई टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने सोमवार (03 नवंबर) को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कई अभियानों में प्रतिबंधित टीटीपी के कई आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने बताया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने बन्नू जिले के मीरानशाह रोड पर उत्तरी वजीरिस्तान के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) वकार खान के नेतृत्व वाले एक पुलिस काफिले पर गोलीबारी की। आतंकवादियों ने स्वचालित और भारी हथियारों से काफिले पर हमला किया। हालांकि, डीपीओ और अन्य पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए और अन्य घटनास्थल से भाग गए। पुलिस अधिकारियों ने मारे गए आतंकवादियों की संख्या नहीं बताई। छह पुलिसकर्मी भी घायल हुए और उन्हें जिला मुख्यालय (डीएचक्यू) अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। डीपीओ खान और उनका दस्ता सुरक्षित बच गए क्योंकि उनका वाहन बुलेटप्रूफ था। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी और तलाशी अभियान शुरू कर दिया। इसके अलावा सेना ने प्रांत में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में तीन टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने सोमवार को एक बयान में कहा कि मारे गए।

लेबनान के राष्ट्रपति ने सीमा पर तनाव के बीच इजरायल के साथ कूटनीति का आह्वान किया

बेरूत , एजेंसी। राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने कहा कि लेबनान के पास इजरायल के साथ बातचीत करने के अलावा कोई चारा नहीं है। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध से पहले कूटनीति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से इन बयानों की पुष्टि की गई। आउन ने सोमवार को बाबदा पैलेस में अधिकारियों के साथ एक मीटिंग के दौरान कहा, 'राजनीति में तीन चीजें होती हैं- डिप्लोमेसी, इकॉनमी और युद्ध। जब युद्ध से कुछ हासिल नहीं होता, तो हम और क्या कर सकते हैं? दुनिया का हर युद्ध आखिरकार बातचीत से ही खत्म होता और बातचीत कभी भी किसी दोस्त या सहयोगी से नहीं, बल्कि दुश्मन से

होती है।' उन्होंने आगे कहा कि 'बातचीत की भाषा युद्ध की भाषा से अधिक जरूरी है, जिससे हमने देखा है कि सिर्फ तबाही होती है।' उन्होंने लेबनान की लीडरशिप की डिप्लोमेटिक कोशिशों की तारीफ की, जिसमें पार्लियामेंट के स्पीकर नबीह बेरी और प्रधानमंत्री नवाफ सलाम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लेबनान के नेशनल इंटरेस्ट को पॉलिटिकल, धार्मिक और सांप्रदायिक बातों से अधिक अहमियत मिलनी चाहिए। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने नेताओं से चुनावी महत्वाकांक्षाओं से ऊपर राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देने और उन सांप्रदायिक बंटवारे से आगे बढ़ने का आग्रह किया, जिन्होंने लंबे समय से देश की स्थिरता को कमजोर किया है।

अक्टूबर के आखिर में, आउन ने लेबनानी सेना को ब्लिडा के सीमावर्ती गांव पर हुए जानलेवा हमले के बाद दक्षिण में किसी भी इजरायली घुसपैठ का जवाब देने का आदेश दिया था, जिसका हिज्बुल्लाह नेता नईम कासिम ने स्वागत किया था। पिछले साल नवंबर के आखिर से इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता से हुआ सीजफायर लागू है, जिससे गाजा में युद्ध के कारण महीनों से चल रही सीमा पार दुश्मनी रुक गई है।

युद्धविराम के बावजूद, इजरायल ने लेबनान में हमले करना जारी रखा है। हालांकि यह हमले लगातार नहीं किए जा रहे हैं, लेकिन इजरायल का कहना है कि वह हिज्बुल्लाह के 'खतरों' को निशाना बना रहा है। लेबनान और कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने इन हमलों की निंदा करते हुए इन्हें सीजफायर का उल्लंघन बताया है।

सूडान के विद्रोहियों ने भारतीय युवक का अपहरण किया, परेड कराई; पूछा क्या वो शाहरुख खान को जानता है?

खार्तूम, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सूडान के कुछ उग्रवादी लड़ाके एक भारतीय युवक को घेरकर खड़े हैं और उससे नारे लगवा रहे हैं। दरअसल यह युवक ओडिशा का 36 वर्षीय आदर्श बेहरा है, जो जगतसिंहपुर जिले का निवासी बताया जा रहा है। आदर्श को सूडान में विद्रोही रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के उग्रवादियों ने पकड़ लिया और उससे अपने नेता मोहम्मद हमदान दागालो के समर्थन में नारे लगवाए। इतना ही नहीं उग्रवादियों ने आदर्श से पूछा कि क्या वह शाहरुख खान को जानता है?

साल 2022 से सूडान में काम कर रहा है आदर्श : एनडीटीवी की

एक रिपोर्ट के अनुसार, आदर्श बेहरा सूडान के सुकाराती प्लास्टिक फैक्ट्री में साल 2022 से काम कर रहा है। आदर्श को सूडान के विद्रोही लड़ाकों ने अल फाशिर शहर से पकड़ा, जो राजधानी खार्तूम से करीब एक हजार किलोमीटर दूर है। सूडान गृहयुद्ध से जूझ रहा है, जहां सशस्त्र सेना बल और विद्रोही गुट आरएसएफ के बीच अप्रैल 2023 से लड़ाई छिड़ी हुई है। गृह युद्ध के चलते सूडान में अभी तक 1.3 करोड़ लोग विस्थापित हो चुके हैं और कई शहर और गांव तबाह हो चुके हैं। सूडान की सरकार ने रविवार को कहा कि अल फाशिर शहर पर कब्जे के बाद से विद्रोही आरएसएफ के उग्रवादियों ने 2000 से ज्यादा नागरिकों की हत्या की है। कई पीड़िता के साथ यौन हिंसा भी की गई है। संयुक्त राष्ट्र और दुनिया भर की मानवाधिकार एजेंसियों ने सूडान के हालात पर चिंता जताई है। सूडान में अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है और देश का बड़ा हिस्सा अकाल के कगार पर है।

अमेरिका में शटडाउन से हवाई अड्डे बुरी तरह प्रभावित, हजारों उड़ानें विलंबित

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में शटडाउन की स्थिति एक महीने से भी ज्यादा समय से चल रही है। इसका असर अब हवाई अड्डों पर साफ दिखने लगा है। कर्मचारियों की कमी के कारण उड़ानों में देरी और सुरक्षा जांच की लंबी लाइनें बढ़ती जा रही हैं। पिछले सप्ताहांत स्थिति और खराब हो गई। सिर्फ़ रविवार को ही पूरे अमेरिका में पांच हज़ार से ज़्यादा उड़ानें देर से चलीं। सोमवार को व्हाइट हाउस ने इसके लिए डेमोक्रेट नेताओं को जिम्मेदार बताया और कहा कि उनकी राजनीति की वजह से आम लोग परेशान हो रहे हैं। वहीं डेमोक्रेट दल का कहना है कि सरकार और राष्ट्रपति गलत आरोप लगा रहे हैं। शटडाउन कब खत्म होगा, यह तय नहीं है। ऐसे में यातायात विभाग ने चेतावनी दी है कि आगे और उड़ानें देर से चलेंगी या रद्द भी हो सकती हैं। हवाई यातायात नियंत्रक को भी बिना वेतन के काम करना पड़ रहा है। परिवहन सचिव शॉन डफी ने कहा कि इन कर्मचारियों पर वित्तीय बोझ बढ़ रहा है और यदि यही स्थिति जारी रही तो कई लोग नौकरी छोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि देश में पहले से ही लगभग 2,000 से 3,000 नियंत्रकों की कमी है। फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार दोपहर तक 2,530 से ज्यादा उड़ानें देरी से चल रही थीं और 60 से ज़्यादा रद्द कर दी गई थीं। सोमवार दोपहर तक ढाई हज़ार से अधिक उड़ानें देर से चलीं और साठ से ज़्यादा रद्द करनी पड़ीं। मुख्य हवाई अड्डों पर इसका सबसे ज्यादा असर देखने के लिए मिला। हवाई अड्डों पर सुरक्षा जांच भी प्रभावित हुई है। लोगों को सिक्योरिटी लाइन में तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। इसी तरह कई अन्य बड़े शहरों के हवाई अड्डों में भी इंतजार का समय बढ़ गया है। रिपब्लिकन दल डेमोक्रेट पर गैरकानूनी प्रवासियों को स्वास्थ्य सुविधा देने की मांग करने का आरोप लगा रहा है, जिसे डेमोक्रेट्स गलत बता रहा है। डेमोक्रेट नेताओं का कहना है कि वे तो केवल अमेरिकी नागरिकों के लिए पहले से जारी स्वास्थ्य लाभ में की गई कटौती वापस करवाना चाहते हैं।

अमेरिका के भरोसे नहीं चलेगा, युद्ध के लिए कमाई के नए रास्ते पर यूक्रेन: जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध और लंबा खिंचता हुआ नजर आ रहा है। इसी बीच अब यूक्रेन भी इस युद्ध में अपने पैर मजबूत करने के लिए दूसरे देशों से मिलने वाली मदद के बजाय खुद से कमाई करने के रास्ते खोज रहा है। पिछले तीन सालों में अपने देश में रक्षा उद्योग को बड़े स्तर पर तैयार कर चुका यूक्रेन अब यहां से निर्यात की संभावना तलाश रहा है, जिससे यह उद्योग उसकी सैन्य शक्ति के साथ-साथ आर्थिक शक्ति को भी बढ़ा सकें। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोमवार को ऐलान किया कि बर्लिन और कोपेनहेगन में यूक्रेन अपने कार्यालय खोलेगा। इसके तहत हथियारों के निर्यात और उन देशों में इनके संयुक्त निर्माण पर चर्चा होगी। यूक्रेनी सरकार के मुताबिक इस कदम का उद्देश्य यूक्रेन को एक सहायता प्राप्त करने वाले देश से हाईटेक हथियारों का निर्यात करने वाले देश के रूप में बदलना है। रूस के साथ युद्ध में उलझे यूक्रेन को यूरोप और अमेरिका ने काफी हद तक मदद दी है। हालांकि, युद्ध के इस समय में यूक्रेन ने खुद भी हथियारों के घरेलू उत्पादन में बढ़त हासिल की है। विशेष रूप से ड्रोन और मिसाइलों को बनाने में यूक्रेन ने महारत हासिल कर ली है।

हथियार बेचेगा यूक्रेन : ऐसे में कीव में पत्रकारों से बात कर रहे जेलेंस्की ने अपनी आगे की रणनीति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'हमारा यह फैसला उन हथियारों के निर्यात और सह उत्पादन के बारे में है, जिन्हें हम खुद बना और बेच सकते हैं। अगर हम इन्हें बेचने में सफल होते हैं, तो हमारे पास उत्पादन बढ़ाने के लिए ज्यादा पैसे होंगे और इससे हम दूसरे हथियार भी खरीद सकते हैं।' जेलेंस्की ने कहा कि हमारा उद्देश्य बाहरी आपूर्तिकर्ताओं पर से अपनी निर्भरता को

कम करना है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यूक्रेन का एक हथियार निर्यातक के रूप में स्थापित होने का प्रयास करना यूरोप और यूक्रेन दोनों के लिए फायदेमंद है। क्योंकि इस साझेदारी के बढ़ने पर यूरोप को रूसी हथियारों से डिफेंस की टेक्नोलॉजी हासिल करने में मदद मिलेगी। इन साझेदारियों को यूक्रेन के लिए आर्थक जड़ी-बूटी की तरह महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगर यह हो जाता है, तो यूक्रेन के पास आय का एक महत्वपूर्ण जरिया तैयार हो सकता है।

जेलेंस्की चाहें कितने ही प्रयास क्यों न कर लें, लेकिन आज के समय की सच्चाई यही है कि उन्हें कदम-कदम पर अमेरिका की जरूरत रही है। ऐसे में हथियार बेचने का सपना देख रहे जेलेंस्की ने इस बात का खुलासा किया कि अगले हफ्ते यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन का दौरा करेगा। यहां पर यूक्रेन-अमेरिका ड्रोन संबंधीं सौदे पर आगे की बातचीत की जाएगी। कीव को उम्मीद है कि यह समझौता ट्रम्प प्रशासन के साथ संबंधों को और गहरा करेगा और यूक्रेन के बढ़ते ड्रोन क्षेत्र में हाईटेक मैन्यूफैक्चरिंग क्षमताएँ लाएगा।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, रूस से जारी युद्ध ने यूक्रेन को मानव रहित ड्रोन्स, एयर डिफेंस का एक मजबूत खिलाड़ी बना दिया है। ऐसा खिलाड़ी जो इनके नए रास्ते देने वाला बन गया है। यूक्रेन इस समय पर रूस पर सटीक हमलों के लिए अपने इन्हीं ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रहा है। अगर अमेरिका के साथ ड्रोन्स से जुड़ा सौदा हो जाता है, तो यूक्रेनी मशीनों को अमेरिकी टेक्नोलॉजी मिल सकती है, जिससे यह और भी ज्यादा शक्ति शाली हो जाएंगे। हालांकि, यूक्रेन के लिए हथियारों का एक्सपोस्ट करना या किसी और देश में जाकर बनाना आसान नहीं है। क्योंकि युद्ध की जरूरत के अलावा रक्षा उद्योग पर ज्यादा दबाव डालना हानिकारक हो सकता है। फिर भी जेलेंस्की का यह निर्णय यूक्रेन के लिए एक नए बदलाव का संकेत है। युद्ध के मैदान में टिके रहने का हौसला देने वाले यह हथियार अब आर्थिक मैदान पर भी यूक्रेन की सहायता देंगे।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी20 आज

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी20 मैच गुरुवार को यहां खेला जाएगा। अभी तक दोनो ही टीमें 1-1 से सीरीज में बराबरी पर हैं। ऐसे में ये मैच दोनो ही टीमों के लिए बेहद अहम रहेगा। इसमें विजेता टीम को सीरीज में बढ़त मिल जाएगी। सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था जबकि दूसरा मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। वहीं तीसरा मैच भारतीय टीम ने जीता है। इस मैच में सलामी बल्लेबाजी शुभमन गिल पर सभी की नजरें रहेंगी। शुभमन अभी तक इस सीरीज में एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। इस मैच में भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि एशेज सीरीज की तैयारी के लिए कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी इससे बाहर हैं।

पिछले मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने से मेजबान टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई थी। इस मैच में सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड भी नहीं रहेंगे। वह एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम में कई बड़े खिलाड़ियों के नहीं होने से भारतीय टीम के पास इस मैच को जीतकर सीरीज में ढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा अवसर है।

वहीं भारतीय टीम की चिन्ता शुभमन का फार्म है। वह ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये हैं। एकदिवसीय सीरीज में भी वह असफल रहे। वहीं टी20 सीरीज के दोनो ही मैचों में वह रन नहीं बना पाये।

शुभमन को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि शुभमन अभी तक अपनी परंपरागत अंदाज में नहीं दिखे हैं। भारतीय टीम का सकारात्मक पक्ष ये है कि सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अभी अच्छे फार्म में हैं। टीम को उनसे एक बार फिर आक्रामक पारी की उम्मीद होगी। शुभमन को इस सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका ने खेलना है जिसको देखते हुए उन्हें लय हासिल करने

के लिए रन बनाने होंगे।

वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले और तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत की थी जिसे अब वह बड़े स्कोर में बदलना चाहेंगे। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के शामिल होने से भारतीय टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी।

स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के होने से निचले क्रम पर भी भारतीय बल्लेबाजी मजबूत होगी। वाशिंगटन ने पिछले मैच में 23 गेंद पर नाबाद 49 रन बनाये थे।

दूसरी ओर मेजबान टीम की बल्लेबाजी कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड पर निर्भर करेगी। हेड के नहीं होने से मार्श के साथ इस मैच में मैथ्यू शॉर्ट सलामी जोड़ीदार के तौर पर उतर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने होंगे क्योंकि सीन एबॉट उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। ऐसे में बेन ड्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया- मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम ज़म्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

36 के हुए विराट कोहली को प्रशंसकों से मिली बधाई

-इन पारियों के कारण बने महान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली आज 36 साल के हो गए हैं। जन्मदिन के अवसर पर विराट को प्रशंसकों और साथ खिलाड़ियों ने ढेरों बधाईयां दी है। विराट अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेलते हैं क्योंकि टेस्ट और टी20 से उन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया है। 36 साल की उम्र में भी विराट फिट बने हुए हैं और 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना चाहते हैं। वर्तमान समय में भी वह केवल एक प्रारुप खेलने के बाद भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर में से एक हैं। विराट को यूं ही नहीं कहा जाता वर्तमान पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज। उन्होंने अपने करियर में कई बड़ी पारियां खेली हैं।

साल 2012 में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के साथ त्रिकोणीय सीरीज में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 320 रन बनाये थे। तब भारतीय टीम सीरीज में पिछड़ रही थी. ऐसे में उसे हर हाल में जीत दर्ज करनी थी जिससे कि बोनस अंक हासिल किये जा सकें। 321 रनों के लक्ष्य को 40 ओवर में ही हासिल करना था, जो काफी मुश्किल काम था पर विराट ने पहले गौतम गंभीर और फिर सुरेश रैना के साथ मिलकर ऐसी बल्लेबाजी की कि भारतीय टीम ने 36.4 ओवर में ही 321 रन बनाकर मैच को जीत लिया और बोनस अंक हासिल किया! इस मैच में विराट ने 154.65 के स्ट्राइक रेट से 86 गेंद में 16 चौके और 2 छक्के की मदद से 133 रन बनाए थे! विराट की ये पारी उनके करियर की सबसे यादगार पारियों में से एक थी।

वहीं एशिया कप 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ विराट ने 183 रनों की बेहतरीन पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। इस मैच में पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 329 रन बनाये थे पर इसके जवाब में विराट की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम 7 विकेट से जीत गयी। एकदिवसीय में ये विराट का अब तक का सबसे अधिक स्कोर है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय टीम की ओर से एडिलेड टेस्ट में विराट ने शानदार पारी खेली थी। विराट ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 517 रन बनाये थे। इसके जवाब में भारतीय टीम 444 रन ही बना पायी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को 73 रनों की बढ़त मिली थी। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 290 रन बनाए और पारी को घोषित कर भारत के सामने एडिलेड की मुश्किल पिच पर चौथी पारी में 364 रनों का लक्ष्य रखा था। इसके बाद विराट कोहली ने मुरली विजय के साथ मिलकर जबरदस्त पारी खेली। मुरली 99 रन बनाकर आउट हुए, जबकि विराट ने 175 गेंद में 145 रन बनाए। इन दोनों के आउट के होने बाद भारतीय टीम हालांकि 315 रन के स्कोर पर ही आउट हो गयी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने मैच 48 रन से जीत लिया।

साल 2018 में इंग्लैंड दौरे पर बर्मिंघम टेस्ट में विराट कोहली की 149 रनों की पारी भी कौन भूल सकता है। विराट कोहली ने कठिन पिच पर शतक लगाकर भारतीय टीम को 31 रन से जीत दिलायी थी। विराट के लिए ये शतकीय पारी इसलिए भी अहम थी क्योंकि इससे पहले विराट इंग्लैंड में बुरी तरह से असफल रहे थे। बर्मिंघम में 149 रन बनाकर उन्होंने सबकी बोलती बंद कर दी।

ऑस्ट्रेलिया में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली की 82 रनों की पारी की अहम भूमिका रही। इस मैच में पाकिस्तान के सामने टीम इंडिया ने 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर अपने 4 विकेट खो दिये। इस मैच में विराट कोहली ने हारिस रऊफ पर जबरदस्त छक्का लगाकर मैच में टीम इंडिया को जीत दिला दी।

अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी में द्रविड़ के बेटे अन्वय पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय भी हैदराबाद में शुरू रहे पुरुष अंडर19 एकदिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को इस टूर्नामेंट में टीम सी में शामिल किया गया है। ऐसे में सभी की नजरें अन्वय के प्रदर्शन पर रहेंगी। इस टूर्नामेंट से युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला शुक्रवार को आरोन जॉर्ज की अगुवाई वाली टीम सी वेदांत त्रिवेदी की कप्तानी वाली टीम बी के खिलाफ करेगी। टूर्नामेंट में भाग ले रही टीमें इस प्रकार हैं।

टीम ए: विहान मल्होत्रा (कप्तान), अभिज्ञान कुंडू (उपकप्तान और विकेटकीपर), वंश आचार्य, बालाजी राव (विकेटकीपर), लक्ष्य रायचंदानी, विनीत वीके, मार्कंडेय पांचाल, सात्विक देसवाल, वी यशवीर, हेमचुदेशन जे, आरएस अंबरीश, हनी प्रताप सिंह, वासु देवानी, युधाजीत गुहा, इशान सूद।

टीम बी: वेदांत त्रिवेदी (कप्तान), हरवंश सिंह (उपकप्तान और विकेटकीपर), वाफी कच्छी, सागर विर्क, सायन पॉल, वेदांत सिंह चौहान, प्रणव पंत, अहित सलारिया (विकेटकीपर), बी के किशोर, अनमोलजीत सिंह, नमन पुष्पक, डी दीपेश, मोहम्मद मलिक, महामद यासीन सौदागर, वैभव शर्मा।

टीम सी: आरोन जॉर्ज (कप्तान), आर्यन यादव (उपकप्तान), अंकित चटर्जी, मणिकांत शिवानंद, राहुल कुमार, यश कासवांकर, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), युवराज गोहिल (विकेटकीपर), खिलान ए पटेल, कनिष्क चौहान, आयुष शुक्ला, हेनिल पटेल, लक्ष्मण प्रुथी, रोहित कुमार दास, मोहित उलवा।

टीम डी: चंद्रहास दाश (कप्तान), मौल्यराजसिंह चावड़ा (उपकप्तान), शांतनु सिंह, अर्नव बुग्गा, अभिनव कन्नन, कुशाग्र ओझा, आर्यन सकपाल (विकेटकीपर), ए रापोल (विकेटकीपर), विकल्प तिवारी, मोहम्मद एनान, अयान अकरम, उधव मोहन, आशुतोष महिदा, एम तोशिथ यादव, सोलिब तारिक।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग में अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर कायम

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। पाकिस्तान के बल्लेबाजों बाबर आजम, सैम अयूब, और सलमान आगा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की। दूसरी ओर भारत के अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में पहले स्थान पर बने हुए हैं, जबकि वरुण चक्रवर्ती टी20ढ्ढ गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। रैंकिंग में वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के कई खिलाड़ियों ने भी शानदार सुधार किया है।

पाकिस्तान के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए हाल की टी20 सीरीज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यादगार रही। बाबर आज़म नौ पायदान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सैम अयूब, जो अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, 10 पायदान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं, सलमान आगा ने भी 10 पायदान की बढ़त के साथ 54वां स्थान हासिल किया है। इन तीनों खिलाड़ियों ने मिलकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती दी, जिससे टीम को टी20 फॉर्मेट में नई ऊर्जा मिली है।

भारतीय टीम की निरंतर सफलता

टीम इंडिया के लिए साल 2025 अब तक बेहद सफल रहा है। भारतीय टीम ने अपनी पांच में से चार द्विपक्षीय टी20 श्रृंखलाएँ जीती हैं, जिनमें सबसे ताज़ी जीत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 से मिली। अभिषेक शर्मा, जिन्होंने हाल के महीनों में जबरदस्त फॉर्म दिखाया है, बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर कायम हैं। वहीं, रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं, जिससे भारत की टी20 टीम को एक नई मजबूती मिली है।

अन्य देशों के खिलाड़ियों की बढ़त

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के युवा बल्लेबाज़ तंजीद हसन ने 20 पायदान की बड़ी छलांग लगाई है और अब वह 17वें स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज़ (15वां स्थान) और इब्राहिम ज़दरान (20वां स्थान) ने भी इस हफ्ते अच्छा सुधार किया है। इन सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने दिखाया है कि विश्व क्रिकेट में टी20 फॉर्मेट में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है।

गेंदबाजों की रैंकिंग में भी बड़े बदलाव

टी20आई गेंदबाजों की सूची में कई नामों ने इस हफ्ते शानदार उछाल मारी है। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड भारत के खिलाफ शानदार गेंदबाजी के दम पर दो पायदान ऊपर बढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान 13 पायदान की छलांग लगाकर 14वें स्थान पर पहुंचे हैं, जबकि बांग्लादेश के महेदी हसन छह पायदान चढ़कर 17वें स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर (23वें स्थान) और रोस्टन चेज़ (38वें स्थान) ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा, जिन्होंने हाल में लगातार विकेट चटकाए, 32 पायदान की बड़ी छलांग लगाकर 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के गेंदबाजों का योगदान

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कॉर्बिन बॉश ने पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेकर

सबका ध्यान खींचा। उनकी इस सफलता ने उन्हें 15 पायदान ऊपर 38वें स्थान पर पहुंचा दिया है। पाकिस्तान के सलमान मिर्जा (45वां स्थान) और फहीम अशरफ (51वां स्थान) ने भी अपनी गेंदबाजी से रैंकिंग में वापसी की है।

वनडे रैंकिंग में भी नए बदलाव

नवीनतम वनडे रैंकिंग में न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने इंग्लैंड के खिलाफ 'प्लेयर ऑफ द सीरीज़' बनकर दो पायदान ऊपर तीसरा स्थान हासिल किया है। उन्होंने 178 रन बनाए और केवल एक बार आउट हुए। उनके साथी रचिन रवींद्र चार पायदान ऊपर बढ़कर 14वें स्थान पर पहुंचे हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी तीन विकेट लेकर दो पायदान ऊपर चढ़े और अब अफगानिस्तान के राशिद खान के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

विश्वकप जीत से मंधाना, जेमिमा सहित महिला क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू बढ़ी

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत के बाद खिलाड़ियों की लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू तेजी से बढ़ी है। ऐसे में अब इनकी कमाई भी पहले से कई गुना बढ़ जाएगी। विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाली जेमिमा रॉड्रिग्स और स्मृति मंधाना की ब्रांड वैल्यू सबसे अधिक बढ़ी है। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में नाबाद 127 रनों की पारी खेली थी। रिपोर्ट के अनुसार, जेमिमा की एंडोर्समेंट फीस अब 75 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ रुपये तब पहुंच गयी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के बाद ही उनके पास 10 से 12 अलग-अलग कैटेगरी के ब्रांड्स से करार के प्रस्ताव आने लगे। वहीं मंधाना पहले से ही महिला क्रिकेट की सबसे बड़ी ब्रांड एंबेसडर हैं। वो इस समय हिंदुस्तान यूनिलीवर, नाइक , हुंडाई , हरबेलाइफ , एसबीआई, गल्फ आइल, और पीएबी मैटलाइफ जैसे 16 प्रमुख ब्रांड्स का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। विश्व कप जीत के बाद उनकी फीस भी 1.5 से 2 करोड़ रुपये प्रति ब्रांड तक पहुंच गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विश्वकप जीत से भारतीय महिला क्रिकेट पूरी तरह से बदल जाएगा।

वैभव अब राइजिंग स्टार्स एशिया कप में नजर आयेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल और अंडर 19 क्रिकेट में धूम मचाने वाले 14 साल के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भारत ए टीम की ओर से खेलते दिखेंगे। बाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज के लिए पिछले कुछ महीने शानदार रहे हैं। आईपीएल के बाद वैभव ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी दिखायी। अब वैभव के निशाने पर पाकिस्तान ए टीम रहेगी। का भारत ए टीम में आईपीएल के छह खिलाड़ियों को अवसर मिला है। इमर्जिंग स्टार्स टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर 2025 तक दोहा के वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें भारत के ओमान, यूएई और पाकिस्तान ए के साथ ग्रुप बी में रखा गया है.

ये टूर्नामेंट कतर में खेला जाएगा और इसका आयोजन एशियाई क्रिकेट परिषद कर रही है। इसमें भारत ए की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा करेंगे। वहीं पंजाब के ऑलराउंडर नमन धीर उप-कप्तान रहेंगे। आईपीएल 2025 के स्टार प्रियांश आर्य को भी पहली बार टीम में अवसर मिला है। जितेश अभी ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम से खेल रहे हैं। उन्होंने तीसरे टी20 में 22 रनों की पारी खेलकर प्रभावित किया था। जितेश ने इस साल की शुरुआत में आरसीबी के विजयी अभियान के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था और निचले क्रम में 176 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे.

राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए भारत ए की टीम: प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, नमन धीर (उपकप्तान), सूर्यांश शेडगे, जितेश शर्मा (कप्तान और विकेटकीपर) रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजापनीत सिंह, विजय कुमार वैश्य, युद्धवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर) और सुयश शर्मा.

स्टैंड-बाय खिलाड़ी: गुरनूर सिंह बराड़, कुमार कुशाग्र, तनुश कोटियन, समीर रिजवी और शेख रशीद.

वीनस विलियम्स की ऑकलैंड क्लासिक में होगी वाइल्ड कार्ड एंट्री

वॉशिंगटन । सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स न्यूजीलैंड में होने वाले ऑकलैंड क्लासिक 2026 में वापसी करेंगी। उन्हें इस डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी विलियम्स 16 महीने के ब्रेक के बाद 2025 के बीच में प्रतियोगिता में लौटीं। उन्होंने वाशिंगटन में वर्ल्ड नंबर 35 पेटन स्टर्न्स पर यादगार जीत के साथ वापसी की, जहां वह टूर-लेवल पर महिलाओं के एकल में जीत हासिल करने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनी। इसके बाद उन्हें एकल और युगल में यूएस ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिला। एकल में उन्होंने पहले राउंड में चेक गणराज्य की 11वीं सीड कैरोलिना मुचोवा को तीन सेट तक टक्कर दी और कनाडाई उभरती हुई स्टार लेयला फर्नांडीज के साथ युगल में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं थी। ऑकलैंड क्लासिक टूर्नामेंट के डायरेक्टर निकोलस लैम्पेरिन ने कहा, 'वीनस का महिला टेनिस के विकास पर गहरा असर रहा है और उनके खेल के प्रति अटूट जुनून ने अगली पीढ़ी को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि सभी खेल प्रेमियों को खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक को एक्शन में देखने का यह मौका नहीं छोड़ना चाहिए।' ऑकलैंड क्लासिक पांच से 11 जनवरी 2026 तक चलेगा। यह18 जनवरी से शुरू होने वाले 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट होगा।

राहुल और सुंदर आईपीएल 2026 में बदल नहीं पायेंगे टीमें

नई दिल्ली । पिछले कुछ समय से वॉशिंगटन सुंदर और केएल राहुल के आईपीएल 2026 में नई टीमों चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलने की चर्चाएं चल रही थीं। वहीं अब आई एक रिपोर्ट के अनुसार इन दोनो की ही टीमों ने इन्हें रिलीज करने से इंकार कर दिया है। ऐसे में अब ये दोनों खिलाड़ी किसी नई फ्रेंचाइज़ी से नहीं जुड़ सकते हैं। ये कहा जा रहा था कि सुंदर को सीएसके लेना चाहती है, जबकि राहुल को केकेआर पर पर करार संभव नहीं हो पाया। सीएसके दिग्गज स्पिनर आर अश्विन की जगह पर सुंदर को चाहती थी और इसके लिए उसने प्रयास भी किया पर गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा ने सुंदर को देने से इंकार कर दिया। वहीं दूसरी ओर, केएल राहुल को लेकर खबर थी कि वे दिल्ली कैपिटल्स की जगह पर वह केकेआर से खेल सकते हैं पर ये संभव नहीं हुआ। इसका कारण है कि केकेआर वरुण चक्रवर्ती और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों को ट्रेड में नहीं देना चाहती। ऐसे में कैपिटल्स भी राहुल को छोड़ने तैयार नहीं है।

साउथ अफ्रीका टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, पंत की वापसी, शमी को फिर नहीं मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। 14 नवंबर से शुरू हो रही इस सीरीज के लिए शुभमन गिल को कप्तान और ऋषभ पंत को उपकप्तान एवं विकेटकीपर नियुक्त किया गया है। इस चयन के साथ ही टीम में कुछ अहम बदलाव देखने को मिले हैं।जहां ऋषभ पंत की वापसी सबसे बड़ी खबर रही, वहीं तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी को एक बार फिर टीम से बाहर रखा गया है।

घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन और चयन को लेकर हाल में हुई जुबानी जंग के बाद यह माना जा रहा था कि शमी की टेस्ट टीम में वापसी होगी, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें मौका नहीं दिया। इससे क्रिकेट जगत में फिर से चर्चाएं तेज़ हो गई हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ यह सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए कई मायनों में अहम होगी। एक ओर शुभमन गिल की कप्तानी की परीक्षा होगी, तो दूसरी ओर ऋषभ पंत की वापसी टीम को नई ऊर्जा देगी। वहीं, मोहम्मद शमी की गैरमौजूदगी ने चयन को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि युवा खिलाड़ियों से सजी यह टीम विदेशी धरती पर कितनी मजबूती से प्रदर्शन करती है।

टीम इंडिया का स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर/उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और आकाश दीप।

ऋषभ पंत की शानदार वापसी

ऋषभ पंत की टीम में वापसी लंबे इंतजार के बाद हुई है। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान हुई गंभीर चोट के बाद पंत लगभग एक साल तक क्रिकेट से दूर रहे। साउथ अफ्रीका 'ए' के खिलाफ हालिया मुकाबलों में उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी फिटनेस और फॉर्म दोनों साबित कीं। चयनकर्ताओं ने इस प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें उपकप्तान की ज़िम्मेदारी सौंपी है। उनकी वापसी से भारत की बल्लेबाज़ी और विकेटकीपिंग दोनों विभागों में मजबूती आएगी।

शुभमन गिल को मिला बड़ा अवसर

युवा बल्लेबाज़ शुभमन गिल को पहली बार टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है। लगातार अच्छे प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए बीसीसीआई ने उन्हें यह जिम्मेदारी दी है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय टीम के भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है और गिल को अगले कप्तान के रूप में तैयार करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

आकाश दीप को मिला डेब्यू का मौका

युवा तेज गेंदबाज़ आकाश दीप को भी टीम में शामिल किया गया है। बंगाल के इस गेंदबाज़ ने घरेलू क्रिकेट और इंडिया 'ए' टीम में शानदार प्रदर्शन किया है। चयनकर्ताओं ने उन्हें आगामी सीरीज में डेब्यू करने का मौका देने का संकेत दिया है। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज नई गेंद के मोर्चे पर टीम की अगुवाई करेंगे, जबकि स्पिन विभाग में रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव शामिल हैं।

सीरीज का शेड्यूल

दो मैचों की यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) का हिस्सा होगी। पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहाटी में होगा।

भारत 'ए' वनडे टीम का भी ऐलान

बीसीसीआई ने भारत 'ए' वनडे टीम की भी घोषणा की है। टीम की कप्तानी तिलक वर्मा करेंगे, जबकि रुतुराज गायकवाड़ उपकप्तान होंगे। इस टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा को शामिल नहीं किया गया है। टीम में ईशान किशन, अभिषेक शर्मा, रियान पराग, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और खलील अहमद जैसे युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

कोच ट्रॉट और बल्लेबाजी कोच पुटिक विश्वकप तक ही रहेंगे अफगानिस्तान टीम के साथ

काबुल । अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट और बल्लेबाजी कोच एंड्रयू पुटिक टी20 विश्व कप 2026 तक ही टीम के साथ रहेंगे। विश्वकप के बाद ये दोनो ही अपना कार्यकाल आगे बढ़ाने के मूड में नहीं हैं। ट्रॉट जुलाई 2022 में कोच बने थे। उन्होंने इस तीन साल में टीम को बदलकर रख दिया है। इसी कारण टीम आज सीमित ओवरों के प्रारुप टी20 में एक बेहतर टीम बनकर उभरी है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने कहा, कोचिंग में बदलाव किसी भी टीम के विकास के लिए जरुरी होता है। यह बदलाव अफगानिस्तान टीम की लंबी अवधि की रणनीतिक योजना का हिस्सा है। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी कोच पुटिक भी टीम से अलग हो रहे हैं। पुटिक इसी साल जनवरी 2025 में टीम से जुड़े थे। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ट्रॉट के मार्गदर्शन में अफगानिस्तान टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। टीम पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट 2024 टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रही। इसके अलावा 2023 एकदिवसीय विश्व कप में अफगानिस्तान ने इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ जीत हासिल की थी। ट्रॉट ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, अफगानिस्तान टीम के साथ काम करना मेरे लिए काफी खुशी की बात रही है।

इक्क कुड़ी की निर्माता बनने पर बोलीं शहनाज गिल

अभिनेत्री, गायिका और अब निर्माता बनीं शहनाज गिल अपनी सादगी, जोश और बेबाक अंदाज के लिए पहचानी जाती हैं। शहनाज ने शुक्रवार को आज अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा है। बतौर निर्माता फिल्म उनकी पहली फिल्म इक्क कुड़ी आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। यह फिल्म न सिर्फ उनके करियर का अहम मोड़ है, बल्कि उनके दिल के भी बहुत करीब है। शहनाज का कहना है कि ये उनकी अभी शुरुआत है। आगे उन्हें बहुत कुछ करना है। इंटरव्यू में शहनाज कहती हैं कि इक्क कुड़ी उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावना है। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके जीवन का वह सफर है जिसे वह हमेशा अपने साथ लेकर चलेंगी। इस फिल्म ने उन्हें एक कलाकार के साथ-साथ एक निर्माता के रूप में भी परखा है।

निर्माता की जिम्मेदारी संभालने के बारे में शहनाज ने कहा, निर्माता बनने के साथ मेरे ऊपर कई जिम्मेदारियां थीं, कहानी चुनने से लेकर फिल्म की पूरी टीम को संभालने तक। मुझे इक्क कुड़ी की कहानी इतनी पसंद आई कि मैंने तय किया कि इस फिल्म में सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि निर्माण की जिम्मेदारी भी मैं खुद उठाऊंगी। यह फिल्म ऐसी थी जिसे बनाना जरूरी था। शहनाज ने कहा कि उन्होंने इस फिल्म पर एक दांव लगाया है और अब देखना यह है कि दर्शकों की प्रतिक्रिया कैसी मिलती है। शहनाज ने अब तक अपने करियर में कई भूमिकाएं निभाई हैं। वह सिंगर, एक्ट्रेस, रियलिटी शो स्टार और अब प्रोड्यूसर हैं, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि अब वह आगे क्या करना चाहती हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, अभी तो मैंने शुरुआत की है, अभी तो बहुत कुछ बाकी है।

शहनाज का मानना है कि हर नया अनुभव कुछ सिखाता है और इक्क कुड़ी उनके करियर का सबसे भावनात्मक अध्याय है। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने कई बार अलग-अलग क्षेत्रों में डेब्यू किया हो, लेकिन वह इस फिल्म को अपना सबसे खास और नजदीकी प्रोजेक्ट मानती हैं। इक्क कुड़ी की कहानी एक ऐसी लड़की के सफर को दिखाती है जो अपने लिए सही जीवनसाथी की तलाश में है। फिल्म के लेखक और निर्देशक अमरजीत सिंह हैं। पहले यह फिल्म 19 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पंजाब में आई बाढ़ के कारण इसे आगे बढ़ाकर 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में उतारा गया।

कपिल शर्मा संग किस किस को प्यार करूं 2 में दिखेंगी पारुल गुलाटी

मनोरंजन जगत में लंबे समय तक मेहनत और संघर्ष के बाद जब किसी कलाकार को बड़ा मौका मिलता है, तो वह न सिर्फ उनके करियर का बल्कि उनके जीवन का भी अहम मोड़ बन जाता है। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए यह पल अब आ चुका है। करीब 15 साल के सफर के बाद, वह आखिरकार अपनी पहली बॉलीवुड थियेट्रिकल फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर उतरने जा रही हैं। फिल्म का नाम है किस किस को प्यार करूं 2, जिसमें वह भारत के कॉमेडी किंग कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।इस मौके को लेकर आईएएनएस से बात करते हुए पारुल ने कहा कि उन्हें लगता है जैसे उनकी मेहनत का हर छोटा कदम अब एक सुंदर इनाम में बदल गया है।

पारुल ने कहा, इतने वर्षों में मैंने कई अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन थिएटर में फिल्म रिलीज होना हर अभिनेता का सपना होता है। जिंदगी जैसे अब एक चक्र पूरा कर चुकी है। इतने सालों में बहुत कुछ किया, पर बड़ी स्क्रीन पर खुद को देखना हर कलाकार के लिए जादुई पल होता है। इस बार यह जादू और भी खास है, क्योंकि मेरे साथ इस फिल्म में कपिल शर्मा हैं, जो अपने हास्य और टाइमिंग के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। उन्होंने आगे

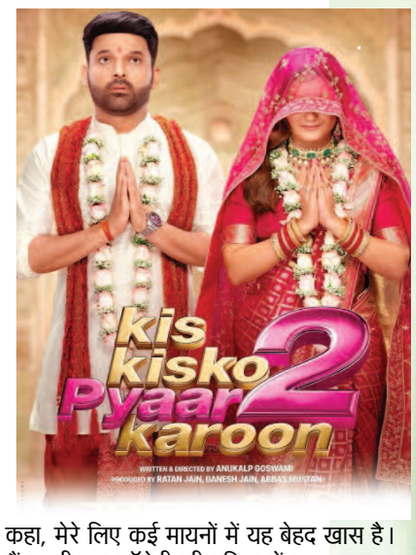

कहा, मेरे लिए कई मायनों में यह बेहद खास है। मैं पहली बार कॉमेडी की दुनिया में कदम रख रही हूं और इस अनुभव को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं इस फिल्म के जरिए सीखने और जीने के नए तरीके दर्शकों को दिखाने जा रही हूं। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक नया अध्याय है, जो मेरे करियर की दिशा को और ऊंचाई देगा।

किस किस को प्यार करूं 2 में पारुल और कपिल के साथ हीरा वरीना, त्रिधा चौधरी और आयशा खान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म का मोशन पोस्टर 23 अक्टूबर को जारी किया गया, जिसमें कपिल शर्मा के किरदार की जिंदगी में चार दुल्हनों के आने से होने वाली अफरा-तफरी दिखाई गई। दर्शकों को यह झलक देखकर ही अंदाजा हो गया है कि फिल्म में खूब हंसी-मजाक और मनोरंजन होने वाला है। फिल्म का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी ने किया है, जबकि इसे रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास-मस्तान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट और अब्बास-मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है और 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म 2015 में आई कपिल शर्मा की डेब्यू फिल्म किस किस को प्यार करूं का सीक्वल है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। पहले भाग में अरबाज खान, मंजरी फडनिस, सिमरन कौर मुंडी, एली अवराम जैसे कई कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं।

शाहरुख खान के साथ काम करना एक ड्रीम प्रोजेक्ट की तरह है

ज्वेल थीफ और कबीर सिंह जैसी फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस निकिता दत्ता टीवी और हिंदी सिनेमा का जाना-माना चेहरा हैं। निकिता ने खास बातचीत में ओटीटी प्लेटफॉर्म, शाहरुख खान और सोशल मीडिया के जरिए होने वाली कास्टिंग पर खुलकर बात की। अभिनेत्री निकिता दत्ता ने ओटीटी प्लेटफॉर्म के होते विस्तार और कास्टिंग को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि पहले सिर्फ बड़े पर्दे पर ही अभिनेताओं को पसंद किया जाता था, लेकिन अब ओटीटी की वजह से कई माध्यम विकसित हो गए हैं। अब दर्शक जितना पर्दे पर बड़े स्टार्स को देखना पसंद करते हैं, उतना ही ओटीटी पर। उन्होंने सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए होने वाली कास्टिंग पर कहा, पहले ऐसा नहीं होता था। अब कास्टिंग से पहले आपका सोशल मीडिया प्रोफाइल देखा जाता है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। कास्टिंग प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए, ना कि सोशल मीडिया फॉलोवर्स के आधार पर। निकिता ने शाहरुख खान के साथ काम करने की ख्वाहिश जाहिर की। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान के साथ काम करना उनके लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट की तरह है। उन्होंने कहा, जब से मैंने इस इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया है, तब से यह मेरा सपना रहा है। अब भी यही ड्रीम प्रोजेक्ट है कि बस शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिल जाए। फिल्म कबीर सिंह निकिता के लिए बहुत खास रही। इसी फिल्म से निकिता को टीवी के बाद बड़े पर्दे पर पहचान मिली। उन्होंने कहा कि कबीर सिंह फिल्म ने मेरी जर्नी में बदलाव लाया, लोगों ने उस फिल्म से मुझे पहचाना और बहुत प्यार दिया। कबीर सिंह के लिए हमेशा मेरे दिल में खास जगह रहेगी। बता दें कि निकिता मराठी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। उन्होंने हाल ही में घरत गणपति के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता है। उन्होंने अवॉर्ड के साथ प्यारी सी फोटो भी शेयर की थी। उन्होंने हिंदी सिनेमा के साथ-साथ टीवी पर हिट सीरियल भी दिए हैं। उन्होंने 2015 में ड्रीम गर्ल, 2016 में एक दूजे के वास्ते, और 2017 में हासिल में काम किया।

एक्टर बने निर्देशक लोकेश कनगराज वामिका गब्बी संग लड़ाएंगे इश्क

डायरेक्टर के तौर पर लोकेश कनगराज ने साउथ सिनेमा में कई हिट फिल्में बनाई हैं। 'कैथी', 'विक्रम' और 'कुली' जैसी फिल्मों में उन्होंने कार्थी, कमल हासन और रजनीकांत जैसे एक्टर के साथ काम किया। अब लोकेश एक्टिंग की दुनिया में एंट्री ले चुके हैं। शनिवार को उनकी अपकमिंग फिल्म 'डीसी' का टाइटल टीजर सामने आया। इसमें लोकेश का अलग ही अंदाज दिखा।

टाइटल टीजर में खून से लथपथ दिखे लोकेश

फिल्म 'डीसी' के टाइटल टीजर में लोकेश की एंट्री दमदार तरीके से होती है, उनका किरदार खून से लथपथ नजर आता है। लोकेश ने एक्सप्रेशन भी इंटेंस दिए हैं। आगे टीजर में वामिका गब्बी दिखाई देती हैं। उनका लुक काफी सिंपल दिखा। दोनों किरदार एक आइने में एक-दूसरे को देखते हैं और टीजर खत्म हो जाता है।

मेकर्स ने लिखा खास मैसेज

'डीसी' का टाइटल टीजर सन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, 'गर्व से पेश करते हैं 'डीसी', इसमें लोकेश कनगराज और वामिका गब्बी लीड रोल में हैं।' इस फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध ने दिया है।

आदित्य सरपोतदार ने बताया क्या है 'शक्ति शालिनी' में खास?

मैडॉक का हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स बॉलीवुड का सबसे सफल और पसंद किया जाने वाला यूनिर्स है। इस यूनिवर्स की हालिया रिलीज फिल्म 'थामा' को भी दर्शकों ने पसंद किया है और फिल्म 100 करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है। अब दर्शकों को यूनिर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' का इंतजार है। अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली इस फिल्म में 'सैयारा' फेम स्टार अनीत पड्डा नजर आएंगी। अब इस फिल्म और अनीत पड्डा को लेकर 'थामा' के निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने अमर उजाला से खास बातचीत की।

बंगाली लोककथा से प्रेरित है 'शक्ति शालिनी'?

'शक्ति शालिनी' को लेकर जब पूछा गया कि क्या यह फिल्म बंगाली लोककथा से प्रेरित है? तो आदित्य सरपोतदार ने जवाब देते हुए कहा कि ऊपर से देखा जाए तो हां, उसमें बंगाली फोक का एक संदर्भ है। लेकिन असल में यह एक बहुत स्ट्रॉन्ग इंडियन फोक स्टोरी है। यह कहानी सिर्फ एक रीजन की नहीं, पूरे भारत की आत्मा से जुड़ी है। जैसे भेड़िया अरुणाचल प्रदेश की लोककथा पर थी, स्त्री दक्षिण भारत की लोककथा से प्रेरित थी और मुंज्या महाराष्ट्र की फोक स्टोरी पर आधारित थी। वैसे ही शक्ति शालिनी भी भारतीय मिथ और लोक परंपरा से जुड़ी हुई है। अभी ज्यादा नहीं बता सकता, लेकिन वक्त आने पर सब कुछ साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में इतनी कहानियां हैं, जो हमारी मिट्टी, संस्कृति और परंपरा से निकली हैं। हॉरर अब सिर्फ डराने का जरिया नहीं रहा, यह अब हमारी जड़ों की खोज बन गया है। शक्ति शालिनी उसी जर्नी का हिस्सा है। अनीत पड्डा में है कुछ नया करने की भूख फिल्म की लीड एक्ट्रेस अनीत पड्डा के बारे में बात करते हुए आदित्य सरपोतदार ने कहा कि मैंने अनीत का काम सैयारा से पहले उनकी वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में देखा था। उस शो की शूटिंग ऊटी में हुई थी और जब हम थामा की शूटिंग के लिए वहीं पहुंचे, तो मेरे लोकेशन डायरेक्टर ने उस सीरीज का जिक्र किया। मैंने उसे देखा और तभी समझ गया कि इस लड़की में एक अलग रेंज है। वह कभी टॉमबॉय जैसी बिंदास लगती है, तो कभी इमोशन से भरी, सहमी हुई लड़की की तरह। ये रेंज बहुत कम एक्ट्रेसेज में होती है। अनीत की सबसे बड़ी खूबी है उनकी भूख। एक आर्टिस्ट में जो सीखने और बेहतर करने की प्यास होती है, वो उनमें साफ दिखती है। वो अपनी परफॉर्मेंस के साथ एक्सपेरिमेंट करने से डरती नहीं हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि वह इस यूनिवर्स में कुछ नया लेकर आएंगी और अपनी अलग पहचान बनाएंगी।

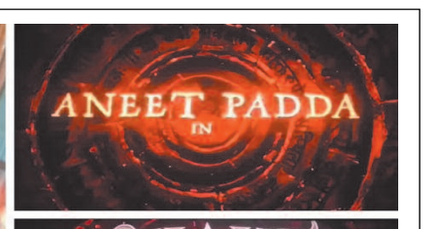

ऑडियंस का इंटरेस्ट बना रहना जरूरी

जब आदित्य सरपोतदार से पूछा गया कि क्या वे इस फिल्म का हिस्सा हैं, तो उन्होंने कहा कि शक्ति शालिनी से जुड़ना मैं जरूर चाहूंगा। अभी थामा रिलीज हुई है, तो हमें थोड़ा वक्त चाहिए यह तय करने के लिए कि आगे कौन सी फिल्म कब आएगी और किस दिशा में यूनिवर्स को ले जाएगी। सबसे जरुरी है कि ऑडियंस का इंटरेस्ट हाई बना रहे। इसलिए इन फिल्मों का बैक टू बैक आना जरुरी है। फिलहाल सभी एक्टर्स और टीम के अपने कमिटमेंट्स हैं, तो हमें यह समझना होगा कि कौन सी कहानी पहले बढ़ेगी और कौन बाद में।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।